प्रयागराज, रविवार 26 जनवरी 2025 से शनिवार 01 फरवरी 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-04
पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

2025 महाकुम्भ
13
वर्ष संघर्ष कि यात्रा

संक्षिप्त समाचार

रवनीत सिंह बिट्टू बोले, अपने बच्चों को पढ़ाने लायक स्कूल नहीं बना पाए मनीष सिसोदिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने कहा कि, खुद दिल्ली शिक्षा योजना के जनक और पूर्व शिक्षा

मंत्री मनीष सिसोदिया दिल्ली के स्कूलों को अपने बच्चों के पढ़ने लायक नहीं समझते। उन्हें बेहतर शिक्षा के लिए अपने बच्चे को कनाड़ा भेजना पड़ा है।दिल्ली सरकार अपने शिक्षा मॉडल को सबसे बेहतर बताती है, लेकिन केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के ही नेता इन स्कूलों को अपने बच्चों को पढ़ाने के योग्य नहीं समझते। दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया पर तंज कसते हुए भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि दिल्ली की शिक्षा मॉडल का केवल प्रचार के जरिए एक मॉडल खड़ा किया गया था लेकिन अब यह मॉडल ध्वस्त हो गया है। बिट्टू ने कहा कि दिल्ली सरकार के दो विश्वविद्यालय हैं। अरविंद केजरीवाल इन विश्वविद्यालयों के बनने से दिल्ली की शिक्षा में बड़े क्रांतिकारी बदलाव आने की बात कर रहे थे, लेकिन असलियत यह है कि उनका स्तर इतना कमजोर है कि खुद दिल्ली शिक्षा योजना के जनक और पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया भी इन्हें अपने बच्चों के पढ़ने लायक नहीं समझते। उन्हें बेहतर शिक्षा के लिए अपने बच्चे को कनाड़ा भेजना पड़ा है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल-सिसोदिया दिल्ली वालों को देश वासियों को चुनाव दर चुनाव अपने स्कूल एवं विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय बताकर गुमराह करते हैं। लेकिन सिसोदिया के बेटे के विदेश पढ़ने के लिए जाने से असलियत सामने आ गई है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षुओं ने हस्ताक्षर अभियान चला कर वोट करने की ली शपथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज । राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर साल 25 जनवरी को मनाया जाता है, जो कि भारतीय चुनाव आयोग के स्थापना दिवस के अवसर पर मनाया

जाता है । इस दिन का उद्देश्य मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और युवा नागरिकों को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का इतिहास मोहम्मद कौसर समन्वयक नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र ने बताया भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पहली बार 25 जनवरी 2011 को मनाया गया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य मतदाताओं को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करना है । राष्ट्रीय मतदाता दिवस का महत्वङप्रदीप झा ने बताय - मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करनाः इस दिन का उद्देश्य मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। - युवा नागरिकों को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करनाः इस दिन का उद्देश्य युवा नागरिकों को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। - मतदाताओं को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करनाः इस दिन का उद्देश्य मतदाताओं को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करना है । - मतदाता शपथ समारोहः नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में विशेष रूप से पहली बार मतदाता, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की शपथ ली। - मतदाता पहचान पत्र का वितरणः नए मतदाताओं को विशेष समारोहों के दौरान उनके चुनावी फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) दिए जाते हैं। - जागरूकता कार्यक्रमः लोगों को मतदान के अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में शिक्षित करने के लिए अभियान, रैलियाँ और कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। - सांस्कृतिक कार्यक्रमः विशेष रूप से नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में नाटक, भाषण, वाद-विवाद और निबंध प्रतियोगिता आयोजित की हैं ।

आर्द्रभूमि में पहुंचे 16.56 लाख पक्षी, भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में बढ़ी विदेशी मेहमानों की संख्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आर्द्रभूमि में पहुंचे 16.56 लाख पक्षी, भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में बढ़ी विदेशी मेहमानों की संख्याओडिशा में चिल्का झील, भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और हीराकुंड जलाशय में पक्षियों की गणना पूरी हो चुकी है। इस संबंध में रविवार को अधिकारियों ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्य-शीतकालीन गणना के दौरान तीनों प्रमुख जल निकायों में 200 से अधिक प्रजातियों के 16.56 लाख से अधिक पक्षी देखे गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, जल निकायों में पक्षियों की गणना शनिवार को की गई। इस कार्य में 200 से अधिक समर्पित प्रतिभागियों ने भाग लिया, इनमें वन कर्मचारी, पक्षीविज्ञानी, शोधकर्ता और प्रशिक्षित स्वयंसेवक शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि पक्षियों की सटीक पहचान और गणना सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग टीमों ने स्पॉटिंग स्कोप, दूरबीन और डेटा शीट का उपयोग किया और आर्द्रभूमि का सावधानीपूर्वक सर्वेक्षण किया।

खराब छवि वाले लोगों के लिए एनसीपी में कोई जगह नहीं'; अजित बोले- पार्टी की छवि पर कोई दाग बर्दाश्त नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अजित पवार ने कहा कि जनता के बीच में खराब छवि वाले व्यक्ति के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। कोई कदाचार नहीं होना

चाहिए। जो गलत करेगा उसे निष्कासित कर दिया जाएगा। महाराष्ट्र के बीड़ में सरपंच की हत्या के बाद से सियासी माहौल गर्म है। राकांपा नेता और महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे को लेकर विपक्ष सरकार पर सवाल खड़े कर रहा है। इस बीच, राज्य के डिप्टी सीएम अजित पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि सार्वजनिक रूप से खराब छवि वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उनके नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में कोई जगह नहीं है। अजित पवार ने यह भी कहा कि जो लोग गलत करेंगे उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाएगा। शिरडी में रांकपा सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि गांवों और कोने-कोने में राकांपा कार्यकर्ता आधार बनाया जाना चाहिए। सभी को समन्वय के साथ काम करना चाहिए। भविष्य राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का है। अजित पवार ने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है। आगामी बीएमसी चुनाव को लेकर अजित ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने में रुचि रखने वालों को 25 घरों के समूह से वोट सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार कार्यकर्ताओं का चयन करना चाहिए। गौरतलब है कि 2023 में अजिच पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी थी। इसके बाद उन्होंने एनसीपी पर भी अपना दावा कर दिया। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में राकांपा ने 41 सीटें जीतीं। उन्होंने राकांपा कार्यकर्ताओं से युवाओं, डॉक्टरों, इंजीनियरों और वकीलों को पार्टी में शामिल करने की अपील की। पवार ने कहा कि पार्टी को एकजुट रहना चाहिए और उसकी छवि पर असर नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के मन में खराब छवि वाले व्यक्ति के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। कोई कदाचार नहीं होना चाहिए। जो गलत करेगा उसे निष्कासित कर दिया जाएगा।शरद पवार की टिप्पणी तब आई है जब सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड को लेकर राकांपा नेता और महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे की विपक्ष कड़ी आलोचना कर रहा है। पुलिस के अनुसार, सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के पीछे एक बड़ी जबरन वसूली का मामला है।

इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जीएसआई के उप महानिदेशक पंकज कुमार ने कहा कि ऐसी किसी बड़ी खोज नहीं हुई है। ओडिशा में लिथियम की मौजूदगी के कुछ संकेत मिले हैं। हम अभी बहुत शुरुआती चरण में हैं, इसलिए हमें कोई दावा नहीं करना चाहिए। ओडिशा के कुछ जिलों में लिथियम की उपस्थिति का पता चला है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के एक हालिया अध्ययन में इसके संकेत मिले हैं। जीएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लिथियम के भंडार पहले कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में पाए गए हैं।गौरतलब हैं कि लिथियम, सीसा, एल्यूमीनियम उत्पादों और बैटरी के उत्पादन में व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली धातु है। जीएसआई के उप महानिदेशक पंकज कुमार ने कहा कि ऐसी किसी बड़ी खोज नहीं हुई है। हालांकि ओडिशा में लिथियम की मौजूदगी के कुछ संकेत मिले हैं। हम अभी बहुत शुरुआती चरण में हैं, इसलिए हमें कोई दावा नहीं करना चाहिए। हालांकि, भूगर्भीय रूप से बात करें तो पूर्वी घाट इलाके, जैसे नयागढ़, में कुछ संकेत मिले हैं।

भारत की ताकत एकता की सच्चाई में निहित भागवत बोले- जो अपनी रक्षा नहीं करते उन्हें भगवान भी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मोहन भागवत ने कहा कि भारत दुनिया के लाभ के लिए एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। इसकी विशिष्ट विशेषता अद्वितीय सांस्कृतिक एकता है जो

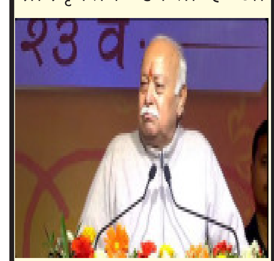

विविधता को गले लगाती है। यह वह भूमि है जहां लोग काशी से गंगा जल लाते हैं और उसे रामेश्वरम में चढ़ाते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत की ताकत एकता की सच्चाई में निहित है, जो सफल और विजयी है। हिंदू जीवन शैली सभी मुद्दों का समाधान प्रदान करती है और दुनिया में परम शांति लाती है।आरएसएस प्रमुख यहां बदयांबदी में संगठन की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरएसएस हिंदू समाज को एकजुट कर रहा है और धर्म की रक्षा के माध्यम से दुनिया को सार्थक समाधान प्रदान कर रहा है। संघ प्रमुख ने कहा कि परिवर्तन केवल अवतारों के आने से नहीं होते हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग अपनी रक्षा नहीं कर पाते, उन्हें भगवान भी नहीं बचा सकते। उन्होंने पूछा, हम भारत की संतान हैं। यदि हमारी मातृभूमि लाखों बच्चों के होते हुए भी कमजोर हो जाती है, तो हमारा कर्तव्य क्या है ।

इस साल जारी होगा सशस्त्र बलों के लिए रोडमैप 'विजन 2047', 2025 की प्राथमिकता भी बताई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सशस्त्र बलों के लिए 'विजन 2047' रोडमैप पर काम चल रहा है। इसे इस साल के मध्य में जारी कर दिया जाएगा। थिएटर कमांड पर रक्षा

मंत्रालय का लक्ष्य इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2025 में महत्वाकांक्षी सुधार लागू किए जाने हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने रविवार को कहा कि एकीकृत थिएटर कमान को लेकर सरकार के समक्ष खाका पेश करना और इसे तैयार करना प्रमुख प्राथमिकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के 2025 को 'रक्षा सुधारों का वर्ष' घोषित किए जाने के कुछ दिनों बाद सीडीएस ने यह बात कही। एक पॉडकास्ट में सीडीएस ने कहा कि मल्टी डोमेन ऑपरेशन, एयरबोर्न व हेलीबोर्न ऑपरेशन, नेटवर्क केंद्रित युद्ध, संयुक्त संचार, पारंपरिक मिसाइल बल, अंतरिक्ष, संयुक्त स्टाफ कार्य, संयुक्त लॉजिस्टिक आर्किटेक्चर जैसे विषयों पर संयुक्त खाका तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों के लिए 'विजन 2047' रोडमैप पर काम चल रहा है। इसे इस साल के मध्य में जारी कर दिया जाएगा। थिएटर कमांड पर रक्षा मंत्रालय का लक्ष्य इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2025 में महत्वाकांक्षी सुधार लागू किए जाने हैं। थियेटराइजेशन मॉडल के तहत सरकार सेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं को एकीकृत करना चाहती है।

मां भारती के वीर सपूत नेता सुभाष चन्द्र बोस थे :अशोक श्रीवास्तव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सानभद्र। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नायक, आजाद हिंद फौज़

के संस्थापक मां भारती के वीर सपूत नेता सुभाष चन्द्र बोस की 128 वीं जयंती पराक्रम दिवस के रूप में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा सोनभद्र द्वारा मुख्यालय स्थित जयप्रभा मंडपम में मनाया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर पर कायस्थ समाज के अलावा अन्य लोगों ने भी माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी, देशभक्त थे। नेता ने भारत की आज़ादी के लिए कई काम किए। नेताजी ने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन किया था। उन्होंने दिल्ली चलो और तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आज़ादी दूंगा जैसे नारे दिए थे।कायस्थ महासभा के प्रवक्ता प्रभाकर श्रीवास्तव ने कहा कि भारत के मज़बूत और आत्मनिर्भर बनने के लिए औद्योगीकरण को ज़रूरी माना था। अंग्रेज़ों के खिलाफ़ लड़ाई में अहम भूमिका निभाई थी। नेताजी ने जय हिन्द का नारा दिया था, जो भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया। उन्होंने कहा कि नेताजी ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मज़बूत बनाने पर ज़ोर दिया था। कायस्थ महासभा के संजय श्रीवास्तव कहा कि नेताजी ने युवाओं को प्रभावित किया था। बोस के विचार आज भी युवाओं के मन में जिंदा हैं। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा जैसे स्लोगन के साथ उन्होंने देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाई। विनय श्रीवास्तव ने कहा कि आज भी नेता जी के विचार और स्लोगन लोगों के मन में जोश भर देते हैं। सुभाष चंद्र बोस ही थे जिन्होंने आजादी के लिए युवाओं को जोश भर दिया था। उनके लिए नारे देशभर में फैल गए थे। इसमें तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा और दिल्ली चलो का नारा सबसे लोकप्रिय हुआ कार्यक्रम का संचालन करते हुए महासभा के जिला महामंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि नेता जी महान क्रांतकारी तो थे ही और वे अख़बार के संपादक भी थे उनके आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद व राजनीतिक गुरु चितरंजन दास थे उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूपसे संजय श्रीवास्तव संजू,संतोष श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव,संजय श्रीवास्तव,अभिषेक श्रीवास्तव, देवेंद्र श्रीवास्तव एड.विनय श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव,सीए धीरेन्द्र आग्रहरी, शाहिदअली, संजय गुप्ता, दिनेश, राजकुमार मौर्य सहित कायस्थ समाज के अन्य लोग भी उपस्थित थे।

पिछडी जाती के शादी अनुदान योजना के तहत 575 पात्र व्यक्तियो को लाभान्वित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सानभद्र। 1:00 बजे अपराह्न माननीय शिवमंगल बियार, सदस्य राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, उत्तर प्रदेश के

अध्यक्षता में सर्किट हाउस में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के समीक्षा हेतु बैठक आहूत किया गया, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला महिला कल्याण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उपस्थित रहे। माननीय सदस्य महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि संचालित लाभकारी योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, विद्या देवी द्वारा बताया गया कि पिछड़ी जाति शादी अनुदान योजना के तहत 575 पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करते हुए 115 लाख रुपए व्यय किया गया, पिछड़ी जात के 270 अभ्यर्थियों को सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण 98 अभ्यर्थियों को ओ, लेवल कंप्यूटर प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है, पिछड़ी जात के कक्षा 9 से 10 में अध्ययन करने वाले 1334 पात्र छात्रों के खाते में 28.97 लाख कक्षा 11 से 12 के 1354 छात्रों के खाते में 40.76 लाख अंतरित किया गया, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि योजनाओं में धनराशि पर्याप्त मात्रा में है सभी योजनाएं पूर्णता ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत संचालित है पात्र पाए जाने वाले सभी लाभार्थियों को संतृप्त किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने की कर-करेत्तर के कार्यो की समीक्षा कर राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता

माथुर की अध्यक्षता में कर करेत्तर, राजस्व वसूली व निर्धारित एजेंडा बिंदुओं के कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जिलाधिकारी ने परिवहन, आबकारी, सिंचाई, विद्युत, वन, व्यापार कर, खनन, स्टाम्प, नगर निकाय सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली के कार्यों की समीक्षा की तथा कम वसूली करने वाले विभागों को प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि एक ठोस कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशा0) सिद्धार्थ सहित समस्त उप जिलाधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025

आज़ादी का अमृत महोत्सव

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

आदर्श नगर पालिका परिषद सोनभद्र की तरफ से समस्त नगरवासियों को 26 जनवरी 2025 गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें

आदर्श नगर पालिका परिषद सोनभद्र नगरवासियों से निम्न अपेक्षायें करता है-

1. यह नगर आपका है, इसे साफ-सुथरा एवं स्वच्छ बनायें रखने मे अपना सहयोग प्रदान करें।
2. प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग कदापि न करें और न ही किसी को करने दें। दैनिक प्रयोग से पॉलिथीन को दूर हटायें।
3. सफाई मित्र कर्मियों द्वारा कूड़ा उठाने के उपरान्त अपने मकान/ दुकान/ प्रतिष्ठान से निकला कूड़ा बाहर न फकें।
4. घरों से निकलने वाले गीले व सूखे कूडे को अलग-अलग करके डोर-टू-डोर कलेक्शन वहान में ही दे।
5. खुले मे पेशाब व शौच कदापि न करें।
6. सार्वजनिक भूमि, सडकों पटरियों एवं गलियों आदि पर अतिक्रमण न करें।
7. अपने पालतू जानवरों (गाय व अन्य) को सडक पर खुला न छोडे।
8. मार्ग प्रकाश के उपकरणों को क्षति न पहुँचाये ।
9. नगरवासी वृक्षारोपण कर नगर को प्रदूषण मुक्त करने में सहयोग करें।
10. जन्म-मृत्यु का पंजीयन 21 दिन के अन्दर निःशुल्क करायें।
11. नगरवासी अपना गृहकर/जलकर बकाया का भुगतान करके नगर के विकास में अपना सहयोग प्रदान करें।
12. स्वच्छ सर्वेक्षण में अपना सक्रिय योगदान स्वच्छता एप का प्रयोग करके इस निकाय को प्रथम स्थान दिलाने में अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करें।
13. दिनांक 25 जनवरी 2025 राष्ट्रीय मतदाता दिवस ''लोकतन्त्र का पर्व महान-पहले चलो करें मतदान'' वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरुर डालेगें, खुद जागरुक बने और दूसरों को भी जागरुक करें।
14. प्रयागराज में दिनांक 13 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी 2025 तक चलने वाले दिव्य महाकुम्भ में अपनी सहभागिता कर पुण्य के भागी बने।
15. सीवर सेप्टिंक टैक की सफाई हेतु हेल्प लाइन नम्बर-14420 (टोल फ्री) पर कॉल करकें अपनी शिकायत दर्ज करायें।

यह नगर आपका है, इसे स्वच्छ, सुन्दर, कूडा मुक्त, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त और प्रदूषण मुक्त बनाने में अपना सहयोग करें।

अधिशासी अधिकारी,
नगर पालिका परिषद
सोनभद्र

समस्त सभासदगण,
नगर पालिका परिषद,
सोनभद्र

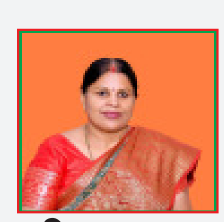

रुबी प्रसाद
अध्यक्ष नगर पालिका
परिषद, सोनभद्र

अपर पुलिस महानिदेशक अग्निशमन तथा आपात सेवा महोदया द्वारा मुख्य अग्निशमन अधिकारी महाकुंभ मेला क्षेत्र क्षेत्रांतर्गत अधिष्ठापित फायर हाइड्रेंट का औचक निरीक्षण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। अपर पुलिस महानिदेशक श्रीमती पद्मजा चौहान , अग्निशमन तथा आपात सेवा महोदया द्वारा मुख्य अग्निशमन अधिकारी/ नोडल अधिकारी श्री प्रमोद शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी डा0 श्री राजीव कुमार पाण्डेय कमिश्नरेट प्रयागराज एवं महाकुंभ मेला क्षेत्र के जोनल मुख्य अग्निशमन अधिकारी एवं स्टेशन प्रभारी के साथ संयुक्त रूप से महाकुंभ मेला क्षेत्र के अखाड़ा अग्निशमन केंद्र तथा श्री योगी महासभा कैम्प, श्री जगतगुरु अवधेशानंद जी महाराज कैंप, खाक चौक अग्निशमन केंद्र तथा कोतवाली झूंसी अग्निशमन केंद्र एवं उनके क्षेत्रांतर्गत अधिष्ठापित फायर हाइड्रेंट का औचक निरीक्षण किया गया। तथा मुख्यालय अग्निशमन तथा आपात सेवा महाकुंभ मेला प्रयागराज के सभागार में अपर पुलिस महानिदेशक अग्निशमन तथा आपात सेवा श्रीमती पद्मजा चौहान महोदया द्वारा मेला में नेशनल फायर सर्विस कॉलेज नागपुर से आये छात्रों के साथ गोष्ठी की गई जिसमें 29/01/2025 को होने वाले मौनी अमावस्या पर्व को लेकर अग्नि से बचाव एवं सुरक्षा हेतु जागरूक किया। तदोपरांत मेला भ्रमण के दौरान मेला के कई सेक्टरों का भ्रमण किया गया। जिसमें नागवासुकी अग्निशमन केंद्र तथा कल्पवासी क्षेत्र के टेंट एवं पंडाल स्थल, कल्पवासी, का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय सीएफओ रमेश तिवारी, एफएसओ शांतनु, संजीव कुमार सिंह, उपस्थित रहे ।

उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर उ0प्र0 दिवस-2025 का आयोजन प्रदेश के सभी जनपदों में आयोजित किया गया, राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन अवध शिल्पग्राम, शहीदपथ, लखनऊ में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मा0 उपराष्ट्रपति भारत गणराज्य जगदीप धनकड़ व विशिष्ट अतिथि के रूप में मा0 राज्यपाल उ0प्र0 आनंदीबेन पटेल एवं मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतिभाग कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में जनपद में जीआईसी ग्राउंड में उ0प्र0 दिवस-2025 के जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन "विकास एवं विरासत पथ पर उत्तर प्रदेश" थीम पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मा0 राज्यमंत्री (कारागार) उ0प्र0 सरकार सुरेश राही, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया, इसके पूर्व कार्यक्रम स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई तथा जनपद रायबरेली पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें रायबरेली के ऐतिहासिक, पौराणिक व सांस्कृतिक विरासत को दिखाया गया।इसके पश्चात लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया तथा मा0 अतिथिगणों के उद्बोधन को सुना गया। कार्यक्रम में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, धनराशि के डमी चेक एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये तथा यूपी बोर्ड कक्षा 10 व 12 की जनपद की मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल रही है। उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर हैं, उत्तर प्रदेश दिवस मनाने का उद्देश्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की प्रगति रिपोर्ट को प्रस्तुत करना कि उत्तर प्रदेश ने विगत एक वर्षों में क्या उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा आज उत्तर प्रदेश विकास व विरासत के पथ पर आगे बढ़ रहा है। "उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश" बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आज के आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में जो भी प्रस्तुति दी गयी वह संदेश देने वाली थी कि कैसे उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनेगा। बच्चों के अन्दर की प्रतिभा को निखारने के लिये मंच प्रदान किया जा रहा है, जिसमें उनकी प्रतिभा को निखारा जा सके। आज स्कूलों में अच्छा माहौल है, मूलभूत सुविधाएं बेहतर है जिसमें बच्चों को गुत्ता पूर्ण शिक्षा मिल रही है। आइये हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी अरविन्द कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए सतीश चन्द्र मिश्रा, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, उप निदेशक कृषि विनोद कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शीवेन्द्र प्रताप सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धि लाल पासी सहित संबंधित अधिकारीगण, विभिन्न विभागों के योजनाओं के लाभार्थीगण व जनसामान्य उपस्थित रहें।

शुभकामना सदेश एवं अपील

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, सोनभद्र की तरफ से 26 जनवरी 2025, 76वें गणतत्र दिवस के शुभ अवसर पर जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। जनपद के स्वास्थ्य विभाग द्वारा समस्त जनपदवासियों से निम्न अपील की जाती है।

1. स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे सघन 100 दिवसीय क्षयरोग अभियान के अन्तर्गत जनपद को टी0बी0 (क्षयरोग) से मुक्त करने मे आप सभी जनपदवासी अपना सहयोग दे। जिस किसी भी व्यक्ति को लगातार दो सप्ताह से ज्यादा अवधि से खासी आ रही हो बुखार आ राहा हो, रात मे पसीना आ रहा हो वजन घट रहा हो, भूख न लग रही हो, खासी मे खून आ रहा हो, बुखार आ रहा हो, सॉस फूलती हो, अथवा बांझपन की समस्या हो- ऐसी सभी व्यक्ति तत्काल स्वास्थ्य कर्मियो से सलाह ले और निःशुल्क जांच उपचार एंव जाच मे क्षयरोग की पुष्ठि होने पर प्रतिमाह रु0 1000/- की दर से 06 माह तक पोषण भत्ता का लाभ उठायें। जोखिम युक्त वक्ति जैसे- 60 वर्ष से ज्यादा के वक्ति डायबीटीज के मरीज नशा करने वाले टी0वी0 पीडित व्यक्ति के पारिवार के सदस्य या टी0वी0की पूर्व मे दवा कर चुके व्यक्ति के परिवार के सदस्य एच0आई0वी0 से पीडित व्यक्ति के परिवार के सदस्य, अपना निःशुल्क जांच अनिवार्यरुप से करायें। टी0वी0 उन्मूलन कार्यक्रम में निःशुल्क उपचार सुविधा का लाभ लेते हुए, टी0वी0 मुक्त भारत अभियान में सहयोग दें।
2. प्रत्येक पुरुष महिला व बच्चो को स्वस्थ रखने के लिए व्यक्तिगत साफ-सफाई के साथ-साथ अपने आस-पास सफाई रखे। मच्छरदानी का प्रयोग अनिवार्यरुप से करे।
3. आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन अरोग्य योजना के अन्तर्गत वर्ष 2011 के जनगणना के आधार पर सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत विन्हित पात्र परिदारों, लेबर कार्ड धारक व अन्त्योदय योजना कार्डधारक को प्रतिवर्ष 05 लाख रुपये तक का मुफ्त ईलाज सूचीबद्ध सरकारी एवं प्राईवेट चिकित्सालयों द्वारा प्रदान किया जाता है। दिनांक 01 जनवरी 2024 को आधार कार्ड के अनुसार 70 वर्ष पूर्ण कर चुके वरिष्ठ नागरिक नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर आयुष्मान कार्ड बनवायें। पंजीकृत परिवार अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहे, किसी भी प्रकार के रोग को अनदेखा न करे तथा आवश्यकतानुसार चिन्हित चिकित्सालय मे समुचित उपचार निःशुल्क करायें। इस हेतु आयुष्मान भारत की सर्वे टीम को पूर्ण सहयेग करें।
4. प्रत्येक माह की 01,09,16 व 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अन्तर्गत सभी ब्लाक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला संयुक्त चिकित्सालय मे कुशल चिकित्सकों द्वारा गर्भवती की जांच की जाती। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत गर्भवती माताओं की जांच अवश्य करायें जिससे कि खून में हीमोग्लोबिन की कम मात्रा को पूरा करते हुए, हाईरिस्क प्रिग्नेसी अथवा जोखिम प्रसव से बचाव करते हुए जच्चा-बच्चा को स्वस्थ्य रखें।
5. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के एन0सी0डी0 कार्यक्रम के अन्तर्गत, 30 वर्ष से ऊपर का प्रत्येक व्यक्ति स्वास्थ्य विभाग के आयुष्मान आरोग्य मंदिर/प्रा0स्वा0 केन्द्र/ सामु0स्व0 केन्द्र एवं जिला अस्पताल में जाकर निःशुल्क ब्लड प्रेशर एवं मधुमेह (सुगर) की जांच कराये एवं चिकित्सकीय सलाह लेकर दवा लें। इसके साथ ही, मुख कैसर, स्तन कैंसर ग्रीवा (सार्वइकल) कैंसर की निःशुल्क जांच कराकर, सलाह लें। एन0सी0डी0 काउन्सलर से मुख रोग से बचाव हेतु आवश्यक सलाह एवं उपचार प्राप्त करें।
6. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत निःशुल्क प्रसव, जननी शिशु सुरक्षा योजना के अन्तर्गत गर्भवती व प्रसूता को निःशुल्क सेवा लाभ, राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में बच्चों को सभी आवश्यक टीका, परिवार को सीमित रखने के लिए स्थायी व अस्थायी विधि एवं जिला संयुक्त चिकित्सालय पर निःशुल्क मोतियाबिन्द आपरेशन व अन्य सेवाये दी जाती है, इस हेतु अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र अथवा आशा/ ए0एन0एम0 बहन से सम्पर्क स्थापित करके लाभ उठाये।
7. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला संयुक्त चिकित्सालय में संयुक्त चिकित्सालय में संचालित एन0आर0सी0- पोषण पुनर्वास केन्द्र, एस0एन0सी0यू0- नवजात शिशु देखभाल केन्द्र तथा सभी ब्लाक केन्द्र पर एन0बी0एस0यू0 में नवजात शिशु का प्राथमिक उपचार व देखभाल निःशुल्क कराये।
8. कोल्ड वेव से बचाव- जाडे के मौसम में वायरस जनित रोग (इन्फ्लूयेंजा लाईक इलनेस, लक्षण- सर्दी, खांसी, जुखाम् छीक व बुखार आना) से घबराये नही। मास्क और रुमाल का प्रयोग करे। भीड-भाड वाली जगह न जाये। लगातार सांस फूलने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर, सलाह एवं उपचार लें।
9. टीकारण कार्यकम के दौरान बच्चों का टीकाकरण करवाना सुनिश्चित करें। नियमित आयोजित होने वाले बी0एच0एस0एन0डी0 सत्र में जाकर, समस्त बच्चों/ गर्भवतियों का टीकाकरण अनिवार्य रुप से करायें।

डा0 अश्वनी कुमार
मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सोनभद्र

श्री बी0एन0 सिंह (आई0ए0एस0)
जिलाधिकारी, सोनभद्र

सोनभद्र, मिर्जापुर

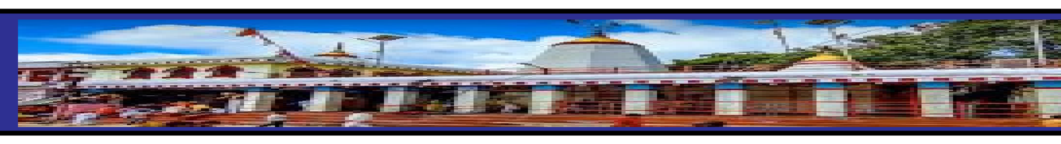

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त विकास भवन बनाए जाने हेतु सीडीओ ने किया गया अनोखा प्रयास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सानभद्र। जनपद सोनभद्र के विकास भवन को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त बनाए जाने एवं कार्यालयों से निकलने वाले कूड़े के प्रबंधन के लिए विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी द्वारा एक अनूठा प्रयास किया गया। विकास भवन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर विकास भवन में फैले हुए सभी तरह के कूड़े को इकट्ठा किया गया। विकास भवन में प्लास्टिक बोतल, प्लास्टिक, सीसा रैपर, गुटका के पन्नी सभी तरह के लगभग 2000 किलो से अधिक प्लास्टिक कूड़े इकट्ठा हुए तथा प्रयोग किए गए पानी के 1000 बोतल से प्लास्टिक बैंक बनाया गया जो अपने आप में यूज बोतल से अनूठा कूड़ा दान है। । विकास भवन में यूज बोतल को इकट्ठा करने के लिए बोतल में आकर का प्लास्टिक बैंक भी लगाया गया जिसमें सभी तरह के बोतल फेक सकते है। कार्यालय से निकलने वाले कूड़े के प्रबंधन के लिए विकास भवन के एक दीवाल पर सभी विभाग को स्थल आवंटित करते हुए विभाग बार

बोरिया टांगी गई है, जिसमें विभागों में सफाई करने वाले कर्मचारियों के द्वारा सुबह जो भी प्लास्टिक, कागज एवं बोतल इकट्ठा होगा उसको इस बोरी में डाला जाएगा। विकास भवन के कूड़ा के उचित प्रबंधन के लिए अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र लोढ़ी से जोड़ा गया है।वहां का सफाई कर्मी ई रिक्शा के माध्यम से प्रत्येक 3 दिन में कूड़े को कलेक्ट कर आर आर सी पर निस्तारण के लिए ले जाएगा।मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए बताया कि विकास भवन परिसर को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त किया जाना है तथा यहां आने वाले सभी लोगों को जागरूक किया जाए कि गुटके के रैपर, प्लास्टिक एवं प्लास्टिक के बोतल इधर उधर नहीं फेंके उसको उचित स्थान पर निस्तारण के लिए डालें। सभी विभाग में सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध कर दिया गया है एवं विभाग के कार्यालय में प्लास्टिक की बोतल की जगह स्टील एवं कांच की बोतल का प्रयोग किया जाए फाइल और डॉक पैड समूह के द्वारा जुट का बनाया जा रहा है जिसका प्रयोग करें। दिवाल पर जो बोरिया लगाई गई है जिस विभाग का सबसे कम प्लास्टिक/बोतल बोरी में इकट्ठा होगा इसका मतलब यह होगा कि वह विभाग सबसे कम प्लास्टिक का प्रयोग कर रहा है जिसको पुरस्कृत किया जाएगा। सभी कर्मचारियों का आह्वान किया कि हमको अपने विकास भवन को पूर्णतया साफ रखना है। प्लास्टिक से प्रयोग किए गए बोतल से कूड़ेदान का निर्माण किया गया है ।

साईं हॉस्पिटल ब्लड बैंक में किया गया रक्तदान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सानभद्र। साईं हॉस्पिटल ,ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में जनपद सोनभद्र के उ.घ् राजेश कुमार जी की उपस्थिति में दवा विक्रेता सोनभद्र

समिति द्वारा पवित मौर्य,विजयानंद, अमित कुमार, शुभम, चंद्रशेखर पांडे, आशीष, आदित्य, सूर्यकांत व अन्य दर्जनों लोगों ने रक्तदान किया। इस मौके पर प्रबंधक डॉक्टर अनुपमा सिंह व प्रबंध निदेशक डॉ0 वी0 सिंह जी ने ब्लड डोनेट करने के कई सारे फायदे लोगों को बताएं जिसमें मुख्य रूप से यह कहा गया कि रक्तदान करने से हार्ट अटैक और कैंसर होने की आशंका कम हो जाती है तथा डोनेशन करने से वजन कम करने में भी काफी लाभदायक होता है, ब्लड डोनेट करने से कोई नुकसान नहीं होता है, डोनेशन करने के बाद शरीर में खून की मात्रा की पूर्ति 24 घंटे में और कोशिकी भाग की पूर्ति 1 से 2 माह के अंदर पूरा हो जाता है। इससे शरीर की कार्य क्षमता और रोग प्रतिकार शक्ति बढ़ती है तथा सभी लोगों को ब्लड डोनेट करना चाहिए यह स्वस्थ शरीर के लिए बहुत ही लाभदायक है तथा इस कार्यक्रम में मौजूद साईं हॉस्पिटल मैनेजर राजन सोनी जी स्टॉफगड़ ज्योति, ओंकार, जयश मिश्र, रेखा मौर्य, जूही, सोल्या, डॉ0 दिव्या अन्य सभी लोग उपस्थित रहे।

करमा थाना क्षेत्र में कार बनी आग का गोला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

करमा सोनभद्र। ह्युंडई वरना कार में

लगी आग, जलकर हो गई खाक। बताते चले की कार मालिक अबुल हसन जो डी लाही(पगिया रोड) के रोड पर रहते हैं। पगिया रोड से ह्युंडई कार वरना यूपी 64भ् 0383 रात में करमा थाना अंतर्गत इमलीपुर से दूल्हे को लेकर बारात हिनौती को चली रस्म रिवाज़ पूरा होने के बाद ड्राइवर कार को एक किनारे लगाकर कार में बैठकर मोबाईल देख रहा था। तभी कार में से आग की लपेटें निकलने लगी। ड्राइवर कार से उतर कर जैसे ही बाहर आया। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। और पूरा जलकर खाक हो गई। हालांकि अगल बगल बहुत सारी गाड़िया थी लेकिन ड्राइवरों के सूझ बूझ से और कारे जलने से बच गई।

कार्यालय नगर पंचायत डाला बाजार, सोनभद्र

75 Azadi Ka Amrit Mahotsav

मा0 प्रधानमंत्री जी

मा0 मुख्यमंत्री जी

मा0 नगर विकास मंत्री जी

स्वच्छ भारत — एक कदम स्वच्छता की ओर

76वॉं गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवारी 2025 के शुभ अवसर पर समस्त नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

समस्त नगर वासियों से नगर पंचायत डाला बाजार निम्न अपेक्षायें करती है-

1. यह नगर आपका है, हमे साफ-सुथरा स्वच्छ बनाए रखने में नगर पंचायत को अपना सहयोग प्रदान करें।
2. प्रतिबन्धित पॉलीथीन/सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करें।
3. मार्ग प्रकाश के उपकरणों को क्षति न पहुचायें। ये निशाकाल में आपके सहयोगी पथ प्रदर्शक है।
4. अपने नगर को प्रदूषण रहित रखें। खुले में शौच न करें। अपने घरों में शौचालय बनवायें। शौचालय की पाईप लाईन सीधे नालियों में न जोडे। कूडा उठाने के बाद सडकों पर कूडा न फेके।
5. सार्वजनिक भूमि, सडकों , पटरियों एवं नालियों आदि पर अतिक्रमण न करें।
6. जल ही जीवन है, व्यर्थ में इसे बर्बाद न करें।
7. नगर पंचायत द्वारा स्वच्छता हेतु किये जा रहे प्रयासों में सहयोग कर नगर को स्वच्छ व सुन्दर बनायें।
8. अपने पालतु (गाय,बैल,भैस व अन्य) जानवरों को सडक पर खुला ना छोडे।
9. खुले में पेशाब व शौच कदापि न करें।
10. निकाय के सफाई मित्र कर्मियो द्वारा कुडा उठाने के उपरान्त अपने दुकान/प्रतिष्ठान से निकाला कुडा बाहर न फेके, डोर-टू-डोर कलेक्शन हेतु सफाई कर्मियों द्वारा घरों से गीले व सूखे कूडे को अलग करके देने में अपना सहयोग प्रदान करे।

यह नगर आपका है। इसे स्वच्छ, सुन्दर, कुडा मुक्त, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त और प्रदूषण मुक्त बनाने में अपना सहयोग करें।

(फूलवन्ती कुमारी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत डाला बाजार सोनभद्र

बॉलीवुड/टेली मसाला

'इमरजेंसी' को मिला फायदा, 'फतेह' की हालत खराब जानें रविवार को किसने किया कितना कलेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस रविवार की रिपोर्ट में इमरजेंसी के कलेक्शन में सुधार देखने को मिला है। वहीं, फतेह की हालत और खराब हो गई है। जनवरी में कई सारे बड़े सितारों की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अपनी दस्तक दे चुकी हैं। इसमें से कई फिल्में फ्लॉप साबित हुईं, कई फिल्म हिट साबित हुई। इस दिनों बॉक्स ऑफिस पर इमरजेंसी, आजाद, गेम चेंजर, फतेह रिलीज हो चुकी हैं। आइए जानते हैं कि रविवार को किस फिल्म ने कितनी कमाई की। इमरजेंसी में कंगना रनौत ने इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है। फिल्म का निर्देशन भी उन्होंने खुद ही किया है। सत्य घटना पर आधारित इस फिल्म में कंगना की तारीफ समीक्षकों ने खूब की, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कमाल दिखाती नजर नहीं आ रही है। फिल्म की रिलीज को तीन दिन हो गए। फिल्म ने पहले दिन 2 करोड़ 50 लाख रुपये, दूसरे दिन 3 करोड़ 60 लाख रुपये, तीसरे दिन 4 करोड़ 35 लाख रुपये की कमाई की है। फिल्म ने अब तक

10 करोड़ 45 लाख रुपये की कमाई की है। राशा थडानी और अमन देवगन की डेब्यू फिल्म 'आजाद' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर सकी है। फिल्म की ओपनिंग तो कुछ खास नहीं रही। फिल्म की रिलीज को तीन दिन हुए हैं, इन तीन दिनों फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 4 करोड़ 65 लाख रुपये की कमाई की है। राम चरण अभिनीत फिल्म का नाम गेम चेंजर तो है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर अपना अच्छा गेम बनाने में नकामयाब नजर आ रही है। फिल्म फिल्म बजट हद से ज्यादा होने की वजह से यह 100 करोड़ कमाने के बाद भी फ्लॉप हो चुकी है। फिल्म ने 10वें दिन 2 करोड़ 50 लाख रुपये की कमाई की है। फिल्म ने 125 करोड़ 30 लाख रुपये का कुल कमाई की है। सोनू सूद की फिल्म 'फतेह' भी बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा सकी है। फिल्म ने 10वें दिन 47 लाख रुपये कमाए हैं। इसी के साथ 10 दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन 12 करोड़ 17 लाख रुपये हो गया है। पुष्पा 2 का जादू बॉक्स ऑफिस पर थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस फिल्म की रिलीज को 46 दिन हो गए हैं। रविवार को फिल्म ने 1 करोड़ 18 लाख रुपये कमाए। पुष्पा 2 की कुल कमाई 1227 करोड़ 93 लाख रुपये हो गई है।

विनर बनकर खुश करण वीर मेहरा, पेड मीडिया के आरोप पर बोले-'लाओ पैसे देता हूं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस 18' के विनर बने करण वीर मेहरा काफी खुश हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने पेड मीडिया के आरोपों पर खुलकर बात की। साथ ही अपनी जीत का असल कारण बताया?हाल ही में बिग बॉस 18' के विनर बने दर्शकों की वजह से हुई है। उनके सपोर्ट से यह जीत मुमकिन हुई है।'आगे करण कहते हैं कि वह घर जाकर अपने दोस्तों और करीबी लोगों के साथ 'बिग बॉस 18' का विनर बनने का जश्न मनाएंगे। वह काफी लोगों के साथ पार्टी करने वाले हैं। वह यह भी कहते हैं कि

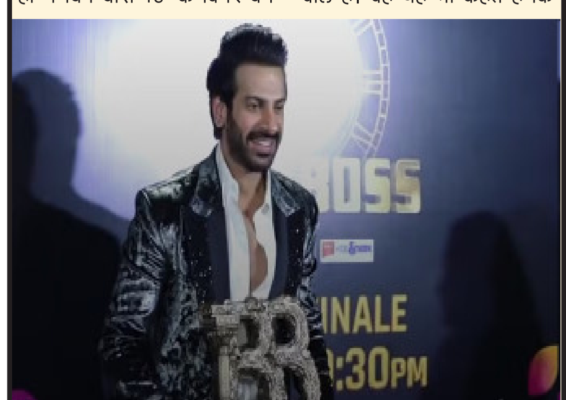

करण वीर मेहरा सातवें आसमान पर हैं। वह अपनी जीत की खुशी में पार्टी करने की बात करते हैं। साथ ही पेड मीडिया वाले आरोपों पर भी खुलकर बात करते हैं। साथ ही चूम दरांग के साथ आगे उनका क्या रिश्ता इस बारे में भी बताया।बिग बॉस 18 का विनर बनने के बाद करण वीर मेहरा ने मीडिया से बात की। साथ ही मीडिया और फैंस को अपनी इस जीत का क्रेडिट दिया। आगे उनसे सवाल किया गया कि उन पर आरोप है कि वह पेड मीडिया का सहारा लेकर विनर हैं। इस पर मजाक में करण ने कहा-लाओ में आपको पैसे देता हूं। फिर आगे बोले कि मुझे तो पता ही नहीं है कि पेड मीडिया क्या होता है। मेरे यह जीत उन्होंने इस रियालिटी शो को गेम की तरह कभी नहीं देखा, उन्होंने इस जीया है। इसलिए आज वह विनर हैं। मीडिया ने जब करण वीर मेहरा से पूछा कि उनका शो से बाहर आने के बाद प्रतियोगी चूम दरांग से कैसा रिश्ता रहेग इस पर करण का जवाब था- 'चूम दरांग ने कहा था कि पहले ट्रॉफी जीतकर लाओ, फिर देखते हैं।' दरअसल, शो के दौरान करण वीर मेहरा और चूम दरांग के बीच एक अलग तरह की केमिस्ट्री देखी गई थी। दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे थे। अब शो से बाहर आने के बाद इनका रिश्ता कैसा रहेगा, इस बारे में फैंस जानना चाहते हैं।

मशहूर गायिका खुशी कक्कड़/भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू कलाकार- आकाश प्रयागराज का धमाकेदार गाना पियवा मलाई खिलावे ला हुआ वायरल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। भोजपुरी की मशहूर गायिका खुशी कक्कड़ का गाना पियावा मलाई खिलावे ला हुआ वायरल इस गाने में अपना डेब्यू कर रहे हैं आकाश प्रयागराज को लोग बहुत पसंद कर रहे हैं यह गाना आदिशक्ति भोजपुरी यूट्यूब चैनल प्रति रिलीज हुआ है और दर्शकों से इस गाने को शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है इस गाने में आकाश प्रयागराज जी को लोग बहुत पसंद कर रहे हैं उनका सिंपल क्यूट लुक सभी दर्शकों को पसंद आ रहा है गाने के कलाकार आकाश प्रयागराज ने कहा पियवा मलाई खिलावे ला सिर्फ एक गाना नहीं बल्की भावनाओं का मेल है दर्शकों का प्यार और प्रतिक्रिया देख बेहद खुशी हो रही है याह आकाश प्रयागराज जी का पहला डेबू एल्बम गाना है और आकाश जी तथा प्रयागराज के लिए बहुत हर्ष की बात है किस साधारण सिम पर लड़के को दर्शकों का इतना प्यार मिल रहा है पसंद किया जा रहा है यह गाना आकाश प्रयागराज जी को भोजपुरी इंडस्ट्री में आगे ले जाने में बहुत मदद करेगा।

वीकएंड का भी लाभ नहीं उठा पाई 'गेम चेंजर' और 'फतेह'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर सोनू सूद की 'फतेह' और राम चरण की 'गेम चेंजर' का काफी बुरा हाल है। फिल्म के कलेक्शन में लगातार कमी आ रही है। वीकेंड पर भी इन दोनों फिल्मों को कुछ खास लाभ नहीं मिला है।10 जनवरी को सिनेमाघरों में साउथ के सुपरस्टार राम चरण की 'गेम चेंजर' और बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद की फिल्म 'फतेह' रिलीज हुई। दोनों फिल्मों में क्लैश तो हुआ ही, साथ ही दोनों का प्रदर्शन भी संतोषजनक नहीं रहा। निर्माताओं को दोनों ही फिल्मों से काफी उम्मीद थी। सोनू सूद ने तो अपनी फिल्म से निर्देशन में डेब्यू भी किया है। बॉक्स ऑफिस पर इन फिल्मों का हाल बेहाल चल रहा है। आइए जानते हैं इन्होंने अब तक कितना कलेक्शन किया है। राम चरण की 'गेम चेंजर' ने रिलीज के दसवें दिन बॉक्स ऑफिस से अब तक 2.08 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। 51 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ खाता खोलने वाली फिल्म की कमाई में बहुत तेजी के साथ गिरावट आई है। फिल्म को वीकेंड का भी कुछ खास लाभ नहीं मिल पाया है। गेम चेंजर' के कुल कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने अब तक कुल 124.88 करोड़ का कलेक्शन किया है। आइए देखते हैं फिल्म ने किस दिन कितना कलेक्शन किया। सोनू सूद ने 'फतेह' से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा, लेकिन उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पास होती नहीं दिख रही है। ओपनिंग डे पर इसने 2.4 करोड़ का कलेक्शन किया था। फिल्म ने 10वें दिन अब तक 41 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। सोनू सूद की फिल्म 'फतेह' ने अब तक बॉक्स ऑफिस से कुल 12.11 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। आइए देखते हैं फिल्म ने किस दिन कितना कलेक्शन किया।

कोल्डप्ले सिंगर ने जीता भारतीयों का दिल, 'जय श्री राम' बोलने के बाद ब्रिटिश राज के लिए मांगी माफी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में कोल्डप्ले के 'म्यूजिक ऑफ फैंस को एक बार फिर हैरान कर दिया। सिंगर कॉन्सर्ट में ना सिर्फ अपनी गायकी से लोगों का दिल जीत वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, यह भारत की हमारी चौथी यात्रा है और यहां दूसरी बार प्रदर्शन

द स्फीयर' कॉन्सर्ट के दौरान गायक क्रिस मार्टिन ने फैंस को तब हैरान कर दिया, जब उन्होंने ब्रिटेन के भारत पर शासन के दौरान किए गए अत्याचारों के लिए माफी मांगी।मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में कोल्डप्ले के 'म्यूजिक ऑफ द स्फीयर' कॉन्सर्ट के दौरान गायक क्रिस मार्टिन ने अपने रहे हैं बल्कि अपने दिल छू लेने वाले शब्दों से भी लोगों को प्रभावित कर रहे हैं। क्रिस ने ब्रिटेन के भारत पर शासन के दौरान किए गए अत्याचारों के लिए माफी मांगी। कॉन्सर्ट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। क्रिस मार्टिन ने कॉन्सर्ट में अपने प्रदर्शन के दौरान कर रहे हैं। पहली बार हमने एक लंबा शो किया। हम इससे बेहतर दर्शकों की उम्मीद नहीं कर सकते थे। आज आने के लिए आप सभी का धन्यवाद!ठ उन्होंने आगे कहा, ठयह हमारे लिए आश्चर्यजनक है कि आप हमारा स्वागत करते हैं, भले ही हम ग्रेट ब्रिटेन से हैं। ग्रेट ब्रिटेन द्वारा किए गए सभी बुरे कामों के लिए हमें माफ करने के लिए धन्यवाद। इससे पहले भी क्रिस ने फैंस को जय श्री राम बोलकर हैरान कर दिया था। कॉन्सर्ट के दौरान प्रशंसकों द्वारा उठाए गए प्लेकार्ड पढ़ रहे थे। एक प्लेकार्ड पर 'जय श्री राम' लिखा था। मार्टिन ने इसे पढ़ा, जिसके बाद दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं। उन्होंने यह भी पूछा कि इसका क्या मतलब है। इतना ही नहीं, उन्होंने अन्य प्लेकार्ड भी पढ़े और उस पर प्रतिक्रिया दी। साथ ही उन्होंने हिंदी में सभी का अभिवादन भी किया। शो के दौरान बैंड ने अपने मशहूर ट्रैक बजाए, जिसमें पैराडाइज, विवा ला विदा, एडवेंचर ऑफ ए लाइफटाइम और येलो शामिल थे। मुंबई में कोल्डप्ले म्यूजिक ऑफ स्फीयर्स कॉन्सर्ट हुआ। शानदार तरीके से यह शो हुआ। कोल्डप्ले कल भी मुंबई में होगा। इसके बाद बैंड अहमदाबाद में परफॉर्म करेगा। क्रिस मार्टिन अपनी गर्लफ्रेंड, एक्टर डकोटा जॉनसन के साथ भारत आए हैं। वह बांद्रा जाकर मुंबई की खूबसूरती का लुत्फ उठाते भी दिखे और श्री बाबुलनाथ मंदिर में भगवान का आशीर्वाद भी लिया।

सलमान की लेटलतीफी से परेशान हुए अक्षय कुमार, 'बिग बॉस 18' के सेट से बिना शूटिंग किए लौटे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अक्षय कुमार को अपनी फिल्म 'स्काई फोर्स' के सह-कलाकार वीर पहाड़िया के साथ बिग बॉस 18 के ग्रैंड फिनाले की शूटिंग करनी थी। सलमान खान के सेट पर देर से पहुंचने के कारण अभिनेता इस सेगमेंट को फिल्माए बिना ही चले गए। सलमान खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला बिग बॉस 18 का ग्रैंड फिनाले आज रात 9:30 बजे कलर्स टीवी और जियो सिनेमा पर होने वाला है। अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया ग्रैंड फिनाले पर अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'स्काई फोर्स' का प्रचार करने वाले थे और प्रशंसक सभी प्रतियोगियों के साथ अक्षय और सलमान की मस्ती भरी नोकझोंक देखने का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, सलमान के स्टूडियो में देर से पहुंचने के कारण अक्षय एपिसोड की शूटिंग किए बिना ही सेट से चले गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, समय के पाबंद होने के कारण अक्षय अपने तय समय पर लगभग 2:15 बजे शूटिंग के लिए सेट पर पहुंचे, लेकिन तब तक सलमान नहीं आए थे। अक्षय ने सलमान के आने के लिए एक घंटे तक इंतजार किया, लेकिन उनके शेड्यूल में जॉली

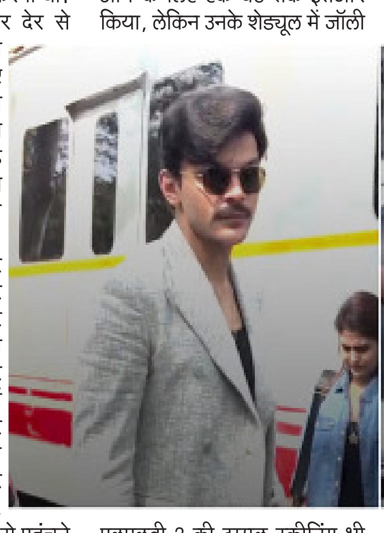

एलएलबी 3 की ट्रायल स्क्रीनिंग भी थी, इसलिए एक घंटे तक इंतजार करने के बाद अक्षय शो की शूटिंग किए बिना ही वापस लौट गए। रिपोर्ट में दावा किया गया कि अक्षय को सेट पर वापस आने के लिए कई बार कॉल किया गया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। बताया गया कि आखिरकार अक्षय और सलमान ने बात की और अक्षय ने उन्हें बताया कि उन्हें पहले से तय काम के लिए जाना पड़ा। सलमान ने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह किसी और समय शो पर आएंगे। अब वीर पहाड़िया को अपनी पहली फिल्म का प्रचार अकेले ही करना होगा। इस बीच, बिग बॉस 18 के विजेता बनने के लिए छह प्रतिभागी लड़ रहे हैं, जिनमें विवियन डीसेना, रजत दलाल, करण वीर मेहरा, अविनाश मिश्रा, चुम दरांग और ईशा सिंह शामिल हैं। ग्रैंड फिनाले में टॉप सिक्स के कई प्रदर्शन देखने को मिलेंगे, जिनमें कुछ अन्य प्रतियोगी भी शामिल होंगे, जो शो के तीन महीने से अधिक के सफर में बेदखल हो चुके हैं। स्काई फोर्स की बात करें तो अक्षय और वीर के अलावा इस एक्शन थ्रिलर में सारा अली खान और निमरत कौर भी हैं। यह फिल्म 24 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली है। स्काई फोर्स 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर भारत के जवाबी हमले पर आधारित है, जिसे भारत का पहला और सबसे घातक हवाई हमला बताया गया है।

वीकएंड पर भी औंधे मुंह गिरी 'आजाद', तीसरे दिन अमन-राशा की फिल्म ने की महज इतनी कमाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वीकएंड पर भी अमन देवगन और राशा थडानी की डेब्यू फिल्म 'आजाद' अपना कमाल नहीं दिखा पाई। इसकी कमाई में आज गिरावट दर्ज की गई है। अजय देवगन की फिल्म 'आजाद' सिनेमाघरों में 17 जनवरी 2025 को रिलीज हुई। इस फिल्म के जरिए अजय देवगन के भांजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने डेब्यू किया है, लेकिन नए कलाकारों की चमक और अजय का स्टारडम, दोनों ही काम न आ सका। फिल्म ओपनिंग डे पर ही धड़ाम हो गई थी। चलिए जानते हैं आज रविवार को कितनी कमाई की। 'आजाद' को सिनेमाघरों में आज तीन दिन पूरे हो चुके हैं। साथ ही यह फिल्म का पहला वीकएंड भी है, लेकिन फिल्म छुट्टी का फायदा भी नहीं उठा पा रही है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, 'आजाद' ने आज तीसरे दिन 1.28 करोड़ रुपये की कमाई की। आज रविवार को भी फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई। पहले दिन फिल्म ने 1.5 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला था। 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म पहले दिन तीन प्रतिशत हिस्सा भी नहीं कमा पाई। वहीं, दूसरे दिन यानी शनिवार को इसका कलेक्शन गिरावट के साथ 1.3 करोड़ रुपये रहा। वहीं, आज की कमाई के साथ अब 'आजाद' की कुल कमाई 4.08 करोड़ रुपये हो चुका है।

हमें अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखना चाहिए', सैफ पर हुए हमले के बाद भाग्यश्री ने जताई चिंता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर अभिनेत्री भाग्यश्री ने प्रतिक्रिया दी है। अभिनेत्री ने सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ाने की बात को भी उठाया। सैफ अली खान पर हुए हमले

को लेकर अभिनेत्री भाग्यश्री ने प्रतिक्रिया दी है। मुंबई पुलिस द्वारा सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी के बांग्लादेशी होने की पुष्टि के बाद भाग्यश्री ने भारतीय सीमाओं की सुरक्षा की मांग की है। इंदौर में एक कार्यक्रम में अभिनेत्री भाग्यश्री ने कहा कि बांद्रा में हुई घटना ने मुंबई में रहने वाले बहुत से लोगों की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। 16 जनवरी को अभिनेता सैफ अली खान पर जानलेवा हमला हुआ था। एएनआई से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ठजब मुंबई में इस तरह की घटनाएं होती हैं, तो हर कोई तनाव में आ जाता है। स्थानीय लोग भी। यह बॉलीवुड की बात नहीं है, यह सभी की सुरक्षा की बात है। सभी की सुरक्षा पर सवालिया निशान है और खासकर अगर कोई बाहरी ऐसा कुछ करता है तो हमें निश्चित रूप से अपनी भारतीय सीमाओं की सुरक्षा करनी चाहिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

राशिफल

मेष-:आप किसी कार्य को लेकर चिंतित रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय में लॉस हो सकता है। अपने पार्टनर से सतर्क रहें, नहीं तो व्यापार-व्यवसाय में बड़ा नुकसान हो सकता है। वाणी पर संयम रखें।

वृष- यह सप्ताह आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपने परिवार के साथ इस सप्ताह कहीं बाहर यात्रा आदि पर जा सकते हैं। साथ ही परिवार में माहौल अच्छा रहेगा।

मिथुन-: यह सप्ताह मिथुन राशि वालों के लिए शानदार रहने वाला है। आपके सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। इस सप्ताह आप परिवार के साथ आनंद के क्षण बिताएंगे।

कर्क-:यह सप्ताह परेशानियों से भरा रहेगा। आप मानसिक तौर से काफी परेशान रह सकते हैं। परिवार में किसी आकस्मिक घटना के चलते समूचे परिवार में माहौल अशांत रहेगा।

सिंह-: यह सप्ताह आपके लिए अत्यधिक परिश्रम भरा रहेगा। आप जिस कार्य का सोच रहे हैं, अथक प्रयास करने पर भी आपको उसमें सफलता न मिलने से मन अशांत रहेगा।

कन्या-: यह सप्ताह कन्या राशि वालों के लिए सामान्य रहेगा। आप कुछ परेशानियों के चलते अपने काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। साथ ही यह सप्ताह कुछ समस्याओं से भरा रहेगा।

तुला-:आप कहीं बाहर की यात्रा पर जा सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में आपको कोई बड़ा पार्टनर मिल सकता है, जिस कारण सोचा हुआ काम पूरा हो जाएगा।

वृश्चिक-: बहुत दिन से जिस कार्य का सोच रहे हैं। वह काम किसी विशेष व्यक्ति के माध्यम से आज कार्य पूर्ण होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक लाभ होगा।

धनु-: कार्य की अधिकता के कारण स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। आपका मन उदास रहेगा, व्यापार-व्यवसाय में हानि के योग बनेंगे। आपके पार्टनर आपके साथ धोखा कर सकते हैं।

मकर-:आप कुछ बातों को लेकर मानसिक तौर से दबाव महसूस करेंगे। आप किसी काम के पूरे होने के लिए अधिक मेहनत करेंगे, परंतु सफलता आज आपको मिलना थोड़ा कठिन होगा।

कुंभ-: दिन परेशानियों से भरा रहेगा। आज कोर्ट कचहरी के विवाद में फंस सकते हैं। व्यापार में बड़ा नुकसान हो सकता है। विरोधी वर्ग आपके प्रति षड्यंत्र रच सकते हैं।

मीन-:यह सप्ताह आप किसी बात विवाद या झगड़े आदि में फंस सकते हैं। विरोधी वर्ग आपको अपने षड्यंत्र का शिकार बना सकता हैं। वाद-विवाद से दूर रहे वाणी पर संयम रखें। किसी के बहकावे में ना आएं।

सम्पादकीय

वोट खरीदने वाली राजनीति, लोक-लुभावन योजनाओं की भरमार

जब हम सक्षम-संपन्न भारत के निर्माण की आधारशिला रखने वाले संविधान के लागू होने की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, तब यह देखने को मिलना ठीक नहीं कि हमारे राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए अनाप-शनाप लोक-लुभावनी घोषणाएं कर रहे हैं। ऐसी घोषणाएं इसके बाद भी की जा रही हैं कि इनसे नए भारत का निर्माण करने वाला वास्तविक विकास नहीं हो रहा। लोक-लुभावन घोषणाएं पहले भी की जाती थीं, लेकिन तब वे मुफ्त वस्तुएं या सुविधाएं देने तक सीमित रहती थीं। अब तो मुफ्त सुविधाओं के साथ धन देने की भी योजनाएं पेश की जा रही हैं। ऐसी योजनाओं में प्रमुख है महिलाओं को प्रति माह एक निश्चित राशि देना। चूंकि कुछ राज्यों में इस तरह की योजनाओं ने चुनावी जीत में बड़ी भूमिका निभाई, इसलिए दिल्ली में जहां भाजपा और कांग्रेस ने महिलाओं को 25-25 सौ रुपये प्रति माह देने की घोषणा की है, वहीं आम आदमी पार्टी ने 21 सौ रुपये। दिल्ली एक ऐसा राज्य है, जहां सरकार की आमदनी खर्च से अधिक है। इसी कारण सभी प्रमुख दलों में महिलाओं को प्रति माह धन देने की होड़ मची है। दिल्ली में कुछ और लोक-लुभावन घोषणाएं की गई हैं। जैसे भाजपा ने वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली पेंशन 2000 से बढ़ाकर 2500 रुपये करने, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपये की आर्थिक मदद और छह पोषण किट के साथ हर गरीब परिवार की महिला को 500 रुपये में एलपीजी गैस सिलेंडर और होली-दीवाली पर एक-एक सिलेंडर मुफ्त देने का वादा किया है। इसके अलावा उसने जरूरतमंद छात्रों को केजी से लेकर पीजी तक मुफ्त शिक्षा देने की भी बात कही है। मुफ्त बिजली, पानी, इलाज, शिक्षा के साथ महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा, बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा की योजना चला रही आप ने अब बुजुर्गों के इलाज का पूरा खर्च देने, मौलवियों के साथ पुजारियों-ग्रंथियों को भी हर महीने 18 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान करने, छात्रों को बसों में मुफ्त और दिल्ली मेट्रो में छात्रों को 50 फीसद छूट देने का वादा भी किया है। कांग्रेस ने भी 200 यूनिट फ्री बिजली की योजना को बढ़ाकर 300 यूनिट करने के साथ महिलाओं के लिए प्यारी दीदी योजना, युवाओं के लिए युवा उड़ान योजना और महंगाई मुक्ति योजना लाने के साथ कई मुफ्त सुविधाएं देने का वादा किया है। कुल मिलाकर तीनों प्रमुख दलों के घोषणा पत्रों में लोक-लुभावन योजनाओं की भरमार है। यह सही है कि देश में एक तबका ऐसा है, जिसे अपने जीवनयापन के लिए सरकारी मदद की जरूरत पड़ती है। इसी कारण आजादी के बाद से ही विभिन्न मदों में सब्सिडी दी जा रही है। कुछ मदों में सब्सिडी देना जरूरत भी है, जैसे किसानों को सस्ते दाम में बीज, खाद आदि मिलना चाहिए, क्योंकि विकसित देश भी ऐसा कर रहे हैं। किसानों को सब्सिडी देना इसलिए भी जरूरी है, ताकि खाद्यान्न महंगा न होने पाए। भारत की तरह विश्व के तमाम देश शिक्षा, स्वास्थ्य, सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में सब्सिडी देते हैं। एक कल्याणकारी राज्य को ऐसा करना भी चाहिए। शिक्षित और स्वस्थ समाज देश की आर्थिक उन्नति में भागीदार बनता है। चूंकि भारत में बड़ी संख्या में गरीब हैं, इसलिए उन्हें रियायती दामों पर अन्न उपलब्ध कराया जाना चाहिए, लेकिन बात तब बिगड़ने लगती है, जब सिर्फ चुनावी जीत के इरादे से लोगों को लोक-लुभावनी योजनाओं से प्रलोभित किया जाए और इस क्रम में बैंक कर्ज माफ करने जैसे कदम उठाए जाएं। ऐसे कदम मुफ्तखोरी बढ़ाते हैं और लोगों को आत्मनिर्भर बनने से रोकते हैं। कई अध्ययन यह बताते हैं कि कृषि कर्ज माफी से न तो किसानों का भला होता है और न ही कृषि का, लेकिन राजनीतिक दल कृषि कर्ज माफ करने की घोषणा करते ही रहते हैं। मुफ्तखोरी वाली योजनाओं का खर्च कहीं न कहीं अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डालता है, क्योंकि सरकारों को अपनी इन योजनाओं को पूरा करने के लिए अन्य वस्तुओं या सुविधाओं को महंगा करना पड़ता है। मुफ्त वाली योजनाओं की कीमत लोगों को ही चुकानी पड़ती है। एक समय प्रधानमंत्री मोदी ने रेवड़ी संस्कृति को लेकर देश को आगाह किया था, लेकिन उसका राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं पड़ा और अब यह देखने को मिल रहा है कि खुद भाजपा भी ऐसी घोषणाएं करने को बाध्य है। यह भी साफ देखने को मिल रहा है कि मुफ्त या रियायती सुविधाएं बढ़ाते जाने से बुनियादी सुविधाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। क्या यह कहा जा सकता है कि सरकारी स्कूलों, अस्पतालों अथवा सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था लोगों की अपेक्षाओं पर खरी उतर पा रही है? यह ठीक है कि आम तौर पर पुरुषों पर निर्भर रहने वाली महिलाओं के पास धन जाने से उनका आत्मसम्मान बढ़ता है, लेकिन क्या यह उचित नहीं होगा कि उन्हें स्वावलंबी बनाने वाली योजनाएं लाई जाएं और जो ऐसी योजनाएं पहले से चल रही हैं, उन्हें और प्रभावी बनाया जाए? ऐसा करने से समाज के साथ देश की भी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। राजनीतिक दल इससे अनजान नहीं हो सकते कि जो राज्य सीधे धन या मुफ्त सुविधाएं देने की योजनाएं लाते हैं, उनमें से कई को उन्हें पूरा करना कठिन होता है। कुछ तो उन्हें आधे-अधूरे ढंग से लागू करने या फिर उनमें विलंब करने के लिए विवश हो जाते हैं। इतना ही नहीं, वे आर्थिक संकट से भी घिर जाते हैं। दिल्ली आर्थिक रूप से सक्षम राज्य अवश्य है, लेकिन क्या यह किसी से छिपा है कि इसके बाद भी राजधानी कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रही है? कई इलाकों में लोगों को साफ पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। आखिर अपेक्षाकृत संपन्न दिल्ली के लोगों को मुफ्त सुविधाएं देने की जरूरत क्यों पड़ रही है बेहतर होगा कि राजनीतिक दल अपनी लोक-लुभावन घोषणाओं पर फिर से विचार करें, क्योंकि हमारे संविधान निर्माताओं ने कभी नहीं सोचा होगा कि देश के नेता बुनियादी सुविधाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के बजाय एक तरह से वोट खरीदने का काम करेंगे।

ठोस सुधारों की नींव रखे बजट, छोटे करदाताओं को मिले राहत

केंद्रीय बजट में प्रत्येक वर्ग की रुचि रहती है। इसमें अपेक्षा, सुझाव, विश्लेषण से लेकर प्रशंसा एवं निंदा का क्रम निरंतर बना रहता है। इसका प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव सभी पर पड़ता है। बजट से न केवल आर्थिक मोर्चे को लेकर एक अंतर्दृष्टि मिलती है, अपितु राजनीतिक एवं सामाजिक परिदृश्य की स्थिति भी ज्ञात होती है। यह किसी से छिपा नहीं कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, अवसंरचना, कानून व्यवस्था और न्यायपालिका जैसे बिंदुओं पर हमारा प्रदर्शन विश्व के अग्रणी उदाहरणों के आसपास भी नहीं। सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता शोचनीय है। मानव विकास सूचकांक, प्रसन्नता सूचकांक जैसे अन्य मानकों पर भी हम निरंतर पिछड़े हुए हैं। बेहतर गवर्नेंस एक अनिवार्यता है। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक योजनाओं पर आवंटन बढ़ाना भी अपरिहार्य है। अधिक आवंटन के लिए अधिक आय भी अर्जित करनी होगी। बजट का आकार आर्थिक वृद्धि के अनुपात में ही बढ़ सकता है। यदि हम 2047 तक विकसित देश बनना चाहते हैं तो हमारी आर्थिकी को अगले दो दशकों में आठ प्रतिशत से भी अधिक की दर से बढ़ना होगा। यह कठिन चुनौती है। इसके लिए सक्षम एवं रचनात्मक शासन की आवश्यकता होगी। वर्तमान आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ प्रमुख बिंदुओं को रेखांकित करती है। हमारी आर्थिक वृद्धि मंद पड़कर 6.4 प्रतिशत हो गई है। यह कोविड के बाद का सबसे निचला स्तर है। सरकारी निवेश लक्ष्य से नीचे है और निजी निवेश में तेजी नहीं आ रही। रोजगार सृजन के मोर्चे पर चिंता की स्थिति बनी हुई है। नीतिगत ब्याज दरें ऊंची बनी हुई हैं और डालर के समक्ष रुपया ऐतिहासिक गिरावट का शिकार है। पिछली तिमाही से शेयर बाजार में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है। बाजार में अस्थिरता व्याप्त है। भू-राजनीतिक पहलू भी चिंताएं बढ़ा रहे हैं। जीडीपी के अनुपात में हमारा कर संग्रह करीब 11 प्रतिशत है। जहां कई उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में यह अनुपात दोगुना, वहीं कुछ विकसित देशों में 30 प्रतिशत से अधिक है। हमें करदाताओं के दायरे को बढ़ाना होगा। सीमित करदाताओं के छोटे वर्ग से और वसूली उचित नहीं होगी, क्योंकि देश में दुनिया की लगभग सबसे ऊंची दरों के आसपास कर लिया जा रहा है। मध्यवर्ग की स्थिति अर्थव्यवस्था की समग्र सेहत दर्शाती है। यह वर्ग सरकार से राहत की बाट जोह रहा है। वेतनभोगियों के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन, आयकर श्रेणी में राहत, बीमा प्रीमियम एवं आवास ऋण ब्याज में रियायतों की अर्से से प्रतीक्षा है। सरकार को राजस्व के अन्य विकल्पों की ओर देखना होगा।

नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई, मिशन को अंजानक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई, मिशन को अंजाम देने में कोई कसर न छोड़े सरकार

पिछले साल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद समाप्त कर दिया जाएगा। नक्सल हिंसा में कमी आने के बावजूद अभी भी 10 राज्यों में 38 जिले नक्सलवाद से प्रभावित हैं। इन 38 में 15 जिले छत्तीसगढ़ में हैं जिनमें सात अत्यधिक प्रभावित हैं विगत वर्ष केवल छत्तीसगढ़ में 220 नक्सली मुठभेड़ में मारे गए, जो न केवल किसी एक वर्ष में सबसे अधिक है, बल्कि उनमें दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के कम-से-कम

दो सदस्य भी सम्मिलित थे। हाल की गरियाबंद मुठभेड़ में 14 से अधिक नक्सलवादियों के शव बरामद किए जा चुके हैं। उनमें कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (माओवाद) की सर्वोच्च केंद्रीय कमेटी का एक सदस्य भी सम्मिलित है। इन आंकड़ों से नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र के सिकुड़ने के लक्षण स्पष्ट दिखाई देते हैं। इसका एक मुख्य कारण केंद्रीय और राज्य सरकारों की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति भी है। यह नक्सलवाद जैसी समस्या से निपटने के लिए जरूरी है, क्योंकि यह समस्या केवल छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारों में समन्वय इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि 'पुलिस' और 'लोक व्यवस्था' भारतीय संविधान की राज्य सूची के अंतर्गत है और छत्तीसगढ़ सहित समस्त प्रभावित राज्यों में बड़ी संख्या में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल तैनात हैं।विगत वर्षों में सुरक्षा बलों ने दूरस्थ इलाकों में कई नए सुरक्षा-कैंप स्थापित किए हैं। केवल छत्तीसगढ़ में राज्य बलों के अलावा केंद्रीय बलों की कम-से-कम 54 बटालियन तैनात हैं। राज्य के जिला रिजर्व गार्ड और बस्तर फाइटर बल भी स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) सहित इन्हीं इलाकों में तैनात हैं, जो अधिकांशतः स्थानीय निवासी हैं, जिससे नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई में मदद मिल रही है। विगत वर्ष के दो बड़े नक्सल-विरोधी आपरेशन स्थानीय सुरक्षा बलों के नेतृत्व में ही संचालित किए गए थे जिनमें कुल 64 नक्सली मारे गए। यद्यपि केंद्रीय बलों की भूमिका अग्रणी इलाकों में सुरक्षा कैंप स्थापित करने में अति-महत्वपूर्ण है और उन्हें नक्सल विरोधी अभियानों में भी किसी भी तरीके से कम आंका नहीं जा सकता, फिर भी राज्य के सुरक्षा बलों की यह प्राथमिक जिम्मेदारी बन जाती है कि वे नक्सल-विरोधी अभियानों का नेतृत्व करें। नक्सलवाद की समाप्ति के लिए आत्म-समर्पित नक्सलियों का समुचित पुनर्वास करना भी जरूरी है। केंद्र और छत्तीसगढ़, दोनों की नीतियों में आत्म-समर्पण करने वाले नक्सली को एक-मुश्त राशि देने का प्रविधान है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद से पीड़ितों के साथ-साथ आत्म-समर्पित नक्सलियों को भी सरकारी नौकरी देने का प्रविधान है, जबकि केंद्र की नीति में आत्म-समर्पित नक्सलियों को कौशल-विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण देने का प्रविधान है। हालांकि अभी तक एक भी आत्म-समर्पित नक्सली को ऐसे प्रशिक्षण का लाभ चिह्नित केंद्रों में नहीं दिया गया है, इसलिए दोनों नीतियों में बेहतर पुनर्वास के लिए कुछ संशोधन की आवश्यकता है। इनमें जो भी लोग सरकारी नौकरी के लिए उपयुक्त नहीं पाए जाते उन आत्म-समर्पित नक्सलियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर नौकरी के योग्य बनाया जाना जरूरी है। ऐसे प्रशिक्षण केंद्र जिला प्रशासन के स्थान पर पुलिस के संरक्षण में चलाना बेहतर होगा। आत्म-समर्पित नक्सलियों को दो कमरों का आवास भी निःशुल्क प्रदान करना जरूरी है। जो नक्सली पूर्णकालिक पार्टी सदस्य बन जाते हैं, वे आत्म समर्पण करने पर अपने गांव वापस नहीं जा सकते, बल्कि उनके परिवार-जनों को भी अक्सर वहां से भगा दिया जाता है। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार की नीति अनुसार एक कमरे का मकान देना पर्याप्त नहीं होगा। छत्तीसगढ़ में हाल में 'नियद-नेललानार' (आपका अच्छा गांव) योजना चालू की गई है जिसके अंतर्गत सुरक्षा-कैंप की पांच किलोमीटर की परिधि में आने वाले समस्त गांवों को आंगनबाड़ी, पीडीएस शाप, बैंक या पोस्ट आफिस की शाखा, डिस्पेंसरी आदि 25 सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। ये सुविधाएं लगभग 50 कैंपों के इर्द-गिर्द करीब 200 गांव को उपलब्ध कराई जाएंगी, परंतु शासन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जिन इलाकों में नक्सलवाद सिकुड़ रहा है, वहां विकास के कार्य तेज गति से हों और प्रशासकीय एवं राजनीतिक शून्यता समाप्त हो ताकि नक्सलियों का प्रभाव समाप्त किया जा सके। यह सही है कि दंडकारण्य के कई इलाकों में जैसे मानपुर (राजनांदगांव), कांकेर, पूर्व बस्तर (कोंडागांव), दरभा, गढ़चिरौली आदि क्षेत्र में नक्सलवाद सिकुड़ा है, परंतु नक्सलियों के नए गठित 'महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़' (एमएमसी) जोन में विस्तार रुका नहीं है और दक्षिण बस्तर से भर्ती किए गए नक्सलियों को ओडिशा एवं एमएमसी जोन भेजा जा रहा है। हालांकि नक्सलियों में नई भर्ती कम हो गई है और पार्टी फंड प्रभावित हुआ है, परंतु अभी रुका नहीं है। इसी प्रकार नक्सलियों की मिलिट्री इकाइयां कमजोर जरूर हो गई हैं, परंतु उनकी बटालियन अभी भी सक्रिय है। बड़े नक्सली घबराए हैं, लेकिन अबूझमाड़ अभी भी उनका शरण-स्थल बना हुआ है। इसलिए जरूरी है कि सुरक्षाबल बिना कोई रणनीतिक त्रुटि करते हुए आगे बढ़ते रहें और इस निर्णायक लड़ाई को अंजाम देने में कोई कसर न छोड़ें।

बंधुत्व में है राष्ट्रनिर्माण की शक्ति, नागरिकों को मिले हैं कई अधिकार

बंधुत्व शब्द हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा भारतीय समाज के प्रति गहरी समझ को उजागर करता है, लेकिन इसे लंबे समय तक अनदेखा किया गया। संविधान काफी कठिन परिस्थितियों में लिखा गया। माउंटबेटन के आदेश पर रेडक्लिफ ने राष्ट्र का विभाजन को अंतिम रूप दे दिया था। नतीजा यह हुआ कि सीमा के दोनों तरफ भीषण अव्यवस्था फैल गई। विभाजन के बाद भी साम्राज्यवादी ब्रिटेन ने हमारी रियासतों का समर्थन जारी रखा था। सरदार पटेल के हस्तक्षेप के बाद इस पर लगाम लगी। संविधान सभा के दो साल 11 महीने के अंतराल में हम विभाजन की विभीषिका को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। ऐसे में आजादी से पहले बने

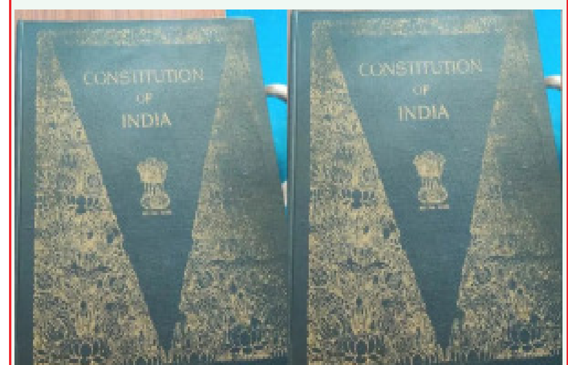

नियंत्रक कानूनों को नया नाम देकर फिर से लागू कर दिया गया। नागरिकों को संतुलन का संदेश देने के लिए कई अधिकार दे दिए गए, जबकि उनकी जिम्मेदारियां सिर्फ एक ही अनुच्छेद 51 ए तक ही सीमित थीं। नियंत्रण पर केंद्रित इन कानूनों को प्रशासनिक तंत्र द्वारा भी आसानी से स्वीकार कर लिया गया। इस तरह देश संविधान की प्रस्तावना के पहले तीन शब्दों न्याय, स्वतंत्रता और समानता पर ध्यान केंद्रित करता रहा और चौथे शब्द बंधुत्व को अधिकांशतः नजरअंदाज करता रहा। इसका एक कारण यह भी रहा कि बंधुत्व ब्रिटिश शासन के लिए सबसे बड़ा खतरा था। नागरिकों की एकजुटता अंग्रेजों को सात समंदर पार खदेड़ सकती थी। 1857 में स्वतंत्रता के प्रथम उद्घोष के बाद जब अंग्रेजों को यह महसूस हुआ कि यदि मंगल पांडेय और रानी लक्ष्मीबाई जैसे योद्धा भारतीय समाज को एकजुट कर लेंगे तो फिर ब्रिटिश शासन के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इसके बाद सुनियोजित तरीके से बंधुत्व पर विभाजन की नीति से हमला किया गया। स्वतंत्रता के बाद सरकार की कार्यप्रणाली के माध्यम से न्याय, स्वतंत्रता और समानता को तो धीरे-धीरे प्रसारित किया गया, लेकिन बंधुत्व उपेक्षित रहा। कांग्रेस और उसकी ओर से अपनाए गए समाजवाद का जोर सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं पर केंद्रित था। इसे एक परिवार और पार्टी द्वारा अपने हित के लिए अपनाया गया और समाज में निहित मानव शक्ति की अवहेलना की गई। समाजवाद उस माडल पर आधारित था, जिसकी यूरोप से नकल की गई, जहां द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अत्यधिक सरकारी खर्च ने सामाजिक शक्ति का तिरस्कार किया। इसका परिणाम आज भी वहां राजकोषीय घाटे के रूप में देखा जा सकता है। भारत में कांग्रेस सरकारों ने बंधुत्व को कमजोर कर दिया और छोटे शहरों एवं जिलों के सामर्थ्य की अनदेखी की। बदलाव तब आया, जब भाजपा के पूर्ववर्ती स्वरूप जनसंघ के संस्थापक पं. दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का दर्शन प्रस्तुत किया। यह राष्ट्र निर्माण के सोच में एक महत्वपूर्ण बदलाव था, जिसने राजनीति को नया आयाम दिया। केवल सरकार पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय भाजपा ने समाज की गहरी परतों में जाकर बंधुत्व को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया। इसके लिए झूठे पंथनिरपेक्षता के भ्रम से लड़ना पड़ा और भारतीय संस्कृति को पुनः जागृत करना पड़ा। भाजपा ने समाजवाद और साम्यवाद से संघर्ष किया, जो सरकार की कार्यप्रणाली पर निर्भर रहकर एक भ्रष्ट राज्य बना चुके थे। एकात्म मानववाद ने आर्थिक विचारों को भी बदल दिया, जिसमें स्वावलंबन और उद्यमिता के माध्यम से समावेशी विकास का इंजन विकसित किया गया। एकात्म मानववाद छोटे शहरों और जिलों से निकला। प्रधानमंत्री मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' के माध्यम से बंधुत्व को एक नई आवाज दी है। विकसित भारत के लिए देश ने विकास की जो रणनीति अपनाई है, उसमें प्रत्येक नागरिक की ऊर्जा को उजागर किया जा रहा है। यहां सरकार सहयोगी की भूमिका निभाना चाहती है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह पहचाना है कि हमारा राजनीतिक ढांचा सामाजिक ऊर्जा से परिभाषित हुआ है और यहां परिवार, समुदाय और धर्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मोदी सरकार की तीसरी पारी इसका परिणाम है। स्थानीय संस्थाओं के माध्यम से बंधुत्व को बेहतर रूप में पुनर्स्थापित किया जा सकता है, क्योंकि ये संस्थाएं लोगों को एकजुट करती हैं। मेरे निर्वाचन क्षेत्र देवरिया में 'अमृत प्रयास' नामक दस साल की एक विकास योजना ने स्थानीय प्रशासन, नागरिकों, संगठनों और निजी क्षेत्र के प्रतिभागियों को शामिल किया है।

संसदीय प्रणाली पर संकट, हंगामे के कारण कामकाज ठप

गत दिवस ही देश ने 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। भारतीय गणतांत्रिक संवैधानिक व्यवस्था में संसद सर्वोच्च जनप्रतिनिधि विधायी संस्था है। संसद पर सरकार को जवाबदेह बनाने की जिम्मेदारी है, लेकिन काफी समय से संसद की गरिमा-महिमा पर आंच आ रही है। संसद के पास तमाम काम हैं। संसद का बहुत सारा काम समितियां करती हैं। माना जाता है कि संसदीय समितियों में राजनीतिक दलबंदी नहीं होती। ऐसे में गहन अध्ययन और विवेचन के अवसर होते हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। अब संसदीय समितियों में भी लोकसभा और राज्यसभा जैसे हंगामे हो रहे हैं। वक्फ संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी के पास भेजा गया था, लेकिन समिति की बैठकों में हंगामे की ही खबरें सामने आईं। ऐसी ही एक बैठक में पिछले शुक्रवार को भी भारी हंगामा हुआ। आरोप है कि 10 सदस्यों ने लगातार हंगामा किया। उन्हें निलंबित किया गया। समिति के प्रमुख जगदंबिका पाल के अनुसार उन्हें भी अपशब्द कहे गए। स्थिति चिंताजनक है। लोकसभा और राज्यसभा में हंगामे के कारण अक्सर कामकाज नहीं होता। अब संसदीय समितियों की भी यही स्थिति है। पूरी संसदीय व्यवस्था में अव्यवस्था है। राज्य विधानमंडल भी संसद की देखादेखी घोर अव्यवस्था के शिकार हो चले हैं। देश के सभी सदनों के पीठासीन अधिकारियों की कई बैठकें हो चुकी हैं। संसद के स्वर्ण जयंती अधिवेशन में हंगामा नहीं होने देने के लिए संकल्प लिए गए थे, लेकिन नतीजा शून्य रहा। वक्फ अधिनियम का विवेचन कर रही जेपीसी का गठन संसद की इच्छानुसार ही हुआ है। इस समिति का इतिहास पुराना है। बोफोर्स घोटाले की जांच के लिए 1987 में पहली बार जेपीसी गठित हुई। हर्षद मेहता प्रतिभूति घोटाले की जांच के लिए 1992 में दूसरी जेपीसी का गठन हुआ। प्रतिभूति और बैंकिंग लेनदेन में जेपीसी ने जांच की। शीतल पेय कीटनाशक मुद्दे पर भी जेपीसी का गठन हुआ था। केतन पारेख शेयर घोटाला, वीआइपी चापर घोटाला आदि मुद्दों पर जेपीसी बनीं। महत्वपूर्ण मामलों में जेपीसी की मांग होती थी, लेकिन पिछले कई वर्षों से समितियों की बैठकों

में भी अराजकता बढ़ी है। वक्फ संशोधन विधेयक काफी महत्वपूर्ण है। वक्फ कानून वक्फ बोर्ड को उत्पीड़क अधिकार देता है। इस कानून के अंतर्गत पीड़ित लोगों की सुनवाई की व्यवस्था नहीं है। स्पष्ट है कि कानून में संशोधन देश की खास जरूरत है। विधेयक का विरोध कर रहे दल वोट बैंक तुष्टीकरण की नीति के चलते ही इसकी राह में अवरोध उत्पन्न कर रहे हैं। वे विधेयक के प्रविधानों पर चर्चा के लिए तैयार नहीं हैं। समिति का कार्यकाल बढ़ाना पड़ा है। आखिर विपक्ष दलों के सदस्य जेपीसी की बैठकों में पूरी तैयारी के साथ क्यों नहीं आते? शोर शराबा और व्यवधान तर्क और तथ्य का विकल्प नहीं होते। अनुशासित सदनों में ही व्यवस्थित कामकाज होते हैं। जबकि अव्यवस्थित सदन निराश करते हैं। संसदीय समिति प्रणाली प्रतिष्ठित रही है। यह किसी विषय के गहन विवेचन और तथ्यपरक विचार-विमर्श की आदर्श व्यवस्था है, लेकिन ऐसी समितियों के कुछ माननीय सदस्य समिति कक्ष की बैठकों में तथ्य और तर्क के साथ नहीं आते। वे समिति में भी अपना राजनीतिक एजेंडॉ चलाते हैं। व्यक्तिगत आरोपों-प्रत्यारोपों के कारण तनाव बढ़ाते हैं। मर्यादा विहीनता का यह कार्य उस देश में हो रहा है जहां वैदिक काल में सभा और समिति प्रणाली थी। आधुनिक संसदीय समिति प्रणाली में विचारण वाले विषयों की तथ्यपरक जांच होती है। आधुनिक भारत में ऐसी समिति प्रणाली की शुरुआत अंग्रेजी राज के समय 1919 के बाद हुई। पहली लोक लेखा समिति 1921 में बनी थी।लोकसभा खास प्रयोजन के लिए बजट आवंटित करती है। लोक लेखा समिति आवंटित धनराशि का उपयोग जांचती है। सीएजी प्राथमिक जांच की संस्था है। अनेक संसदीय समितियां हैं, लेकिन संसद के शीर्ष से लेकर विधानसभा तक संसदीय परंपरा का ध्वस्तीकरण आहतकारी है। लोगों में संसदीय व्यवस्था के प्रति निराशा बढ़ी है। संप्रति संसदीय प्रणाली के अस्तित्व पर संकट है। संविधान सभा ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की अध्यक्षता में मसौदा समिति बनाई थी। संविधान सभा ने उनसे अपेक्षा की थी कि वह संविधान निर्माण से जुड़ी संघ शासन समिति, प्रांतीय विधान समिति एवं मौलिक अधिकार सहित सभी समितियों के विचार मसौदे में सम्मिलित करें। डॉ. आंबेडकर ने संविधान सभा का मसौदा रखते हुए कहा था कि, 'भारत जैसे देश में जिम्मेदारी की छानबीन जरूरी है। प्रश्न, स्थगन प्रस्ताव सहित सारी संसदीय कार्यवाही उत्तरदायी बनाती हैं।संविधान में शासन की स्थिरता के बजाय जवाबदेही को ज्यादा महत्व दिया गया है। इसीलिए इसमें संसदीय पद्धति की सिफारिश की गई है।' संसदीय प्रणाली में विचार विमर्श की विशेष महत्ता है, लेकिन संसदीय हंगामे के बीच यह असंभव है। जहां हंगामा है वहां विचार विमर्श की जगह नहीं होती। कुछ दल, नेता और समूह संविधान को बचाने निकले हैं। सारा देश जानता है कि भारत के संविधान पर कोई संकट नहीं है, लेकिन विधायी और संविधायी अधिकारों से युक्त संसद के अस्तित्व एवं सदन संचालन का संकट है। दुनिया में कहीं ऐसा हंगामा नहीं होता। ब्रिटिश संसद पुरानी है। अमेरिकी कांग्रेस, स्विट्जरलैंड की संघीय सभा, चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस, जापान की डॉयट और फ्रांस की संसद सामान्य रूप में चलती हैं। इन देशों की कार्यवाही में हुल्लड़ और हंगामे नहीं होते। संसद स्वयं पूर्ण संवैधानिक संस्था है। इंग्लैंड के राजनीतिक विचारकों ने संसद को अपने कार्य संचालन का स्वामी बताया है। भारतीय संसद भी अपने कार्य संचालन की संरक्षक है, लेकिन सदन के भीतर अमर्यादित व्यवहार, शोरगुल और अध्यक्षीय आसन के प्रति अवमान की घटनाएं बहुधा होती हैं। जनता चाहती है कि संसद चले। पूरे समय चले। राष्ट्रीय विमर्श हो और दलों में परस्पर सद्भाव हो। क्या यह संभव है? इसे संभव बनाने के लिए जरूरी है कि सत्तापक्ष एवं विपक्ष कार्य संचालन के मुद्दे पर एकमत हों।

स्पोर्ट्स

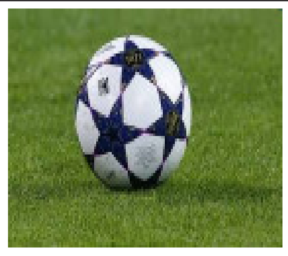

140 करोड़ भारतीय हमारे साथ होंगे', रोहित शर्मा ने जताई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत की उम्मीद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रोहित ने कहा कि टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के बाद उमड़े प्रशंसकों के हुजूम को देखने के बाद उन्हें टी20 विश्व कप की व्यापकता का एहसास हुआ था। उन्हें वास्तव में एहसास हुआ कि भारत ने विश्व कप जीत लिया है? इस पर उन्होंने कहा, 'जब मैं यहां जश्न मनाने के बाद अगले दिन उठा, तब हमें एहसास हुआ। उस जश्न के बाद अगले दिन जब मैं सो कर अभ्यास सत्र के लिए पहली बार मैदान में कदम रखा तभी इससे प्यार हो गया था। इससे पहले हम ब्रेबॉर्न स्टेडियम में खेलते थे। वह एक क्लब (क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया) का मैदान था। लेकिन यहां आकर ऐसा लगा

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को उम्मीद है कि चैंपियंस ट्रॉफी में जीतने के बाद जब टीम इंडिया स्वदेश लौटेगी तब 140 करोड़ भारतीय उनका स्वागत करेंगे। रविवार को मुंबई क्रिकेट संघ ने वानखेड़े स्टेडियम के 50 साल पूरे होने पर भव्य समारोह आयोजित किया था। इसमें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, पूर्व बल्लेबाज सुनील गावस्कर, पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री और दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे जैसे स्टार खिलाड़ी पहुंचे। इस दौरान हिटमैन ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी पर बात की।इस कार्यक्रम में रोहित ने कहा कि टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के बाद उमड़े प्रशंसकों के हुजूम को देखने के बाद उन्हें टी20 विश्व कप की व्यापकता का एहसास हुआ था। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुके भारतीय कप्तान 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में आयोजित होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी को जीत कर एक बार फिर से प्रशंसकों को ऐसा एहसास देना चाहते हैं। भारत इससे पहले 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। रोहित से पूछा गया कि किस समय उठा था तब मुझे एहसास हुआ था कि हमने जो किया वह बहुत, बहुत खास था।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'विश्व कप जीतना एक बात है और अपने लोगों के साथ उसका जश्न मनाना अलग बात है। आप जीत का जश्न टीम के साथी खिलाड़ियों के साथ मनाते ही है लेकिन लोगों के साथ इस जश्न के साझा करने के एहसास बारे में मुझे मुंबई आने के बाद पता चला।' रोहित ने कहा कि भारतीय टीम जल्द ही चैंपियंस ट्रॉफी अभियान शुरू करेगी और यहां के प्रतिष्ठित स्टेडियम में एक और ट्रॉफी लाने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, 'हम एक और टूर्नामेंट शुरू करेंगे। मुझे यकीन है कि जब हम दुबई पहुंचेंगे तो 140 करोड़ लोगों की शुभकामनाएं हमारे पीछे होंगी। हम यह जानते हैं। हम इस ट्रॉफी (आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी) को वानखेड़े में वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।' महान सुनील गावस्कर ने कहा कि जब भी वह स्टेडियम जाते हैं तो उन्हें घरेलू मैदान पर आने का एहसास होता है। उन्होंने कहा, 'जब 1974 में वानखेड़े स्टेडियम बनाया गया था, तो हमारा ड्रेसिंग रूम नीचे था। जब हमने जैसे यह मुंबई क्रिकेट का घरेलू मैदान है। जब भी मैं कमेंट्री के लिए आता हूं तो मुझे वही अहसास होता है। मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया है।' सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट खेलते समय भी ऐसी ही भावनाओं का अनुभव हुआ था। उन्होंने कहा, 'जब वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के कार्यक्रम की घोषणा की गई, तो मैंने एन श्रीनिवासन (तत्कालीन बीसीसीआई अध्यक्ष) को फोन किया और अनुरोध किया कि क्या सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच वानखेड़े में खेला जा सकता है क्योंकि मैं चाहता हूं कि मेरी मां मुझे अपना आखिरी मैच खेलते हुए देखें। मेरी मां ने उससे पहले कभी भी स्टेडियम आकर मुझे खेलते हुए नहीं देखा था। उस समय उनका स्वास्थ्य ऐसा था कि वह वानखेड़े को छोड़कर किसी अन्य स्थान पर नहीं जा सकती थी। बीसीसीआई ने बहुत शालीनता से उस अनुरोध को स्वीकार कर लिया और मेरी मां और पूरा परिवार उस दिन वानखेड़े में थे।

बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने पहली बार दिया टीम का साथ, बधाई'; चैंपियंस ट्रॉफी स्क्वॉड पर बोले योगराज सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का बयान आया है। उन्होंने चयनकर्ताओं के फैसले को सराहते हुए 15 सदस्यीय स्क्वॉड की तारीफ की है। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को टीम इंडिया का एलान कर दिया। इसमें रोहित शर्मा को कप्तान और शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया है। 19 फरवरी से होने वाले इस टूर्नामेंट में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को जगह दी गई है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी टीम का हिस्सा हैं। इस पर अब पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का बयान आया है। उन्होंने चयनकर्ताओं के फैसले को सराहते हुए 15 सदस्यीय स्क्वॉड की तारीफ की है। भारत को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हार का सामना करना पड़ा था। मेजबानों ने टीम इंडिया को 1-3 से हराकर सीरीज अपने नाम की थी। इससे पहले भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी टेस्ट सीरीज में शिकस्त मिली थी। लगातार हार के बाद टीम इंडिया को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। इस दौरान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज भी आलोचकों के निशाने पर आ गए थे। उनका बल्ला खामोश रहा था। हालांकि, अब उन्हें दुबई में खेली जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए स्क्वॉड में शामिल किया गया है। बीसीसीआई और चयनकर्ताओं के इस फैसले का योगराज सिंह ने समर्थन किया है।

उन्होंने कहा- नीचे गिरने पर सहारे की जरूरत होती है। विराट कोहली और रोहित शर्मा को ड्रॉप करने की गलती करने पर पूरी टीम बिखर जाती। इस दौरान उन्होंने एक पुराना किस्सा सुनाते हुए कहा- 2000 में जब सौरव गांगुली कप्तान बने उस समय टीम इंडिया संघर्ष के दौर से गुजर रही थी। अजहरुद्दीन जैसे दिग्गज मैच फिक्सिंग जैसे आरोपों से जूझ रहे थे, लेकिन सौरव ने टीम इंडिया को एकजुट कर विदेश में भी जीतने का जज्बा पैदा किया। उस दौर में कई चैंपियन खिलाड़ी पैदा हुए। हालांकि, 2011 में एक बार फिर सीनियर खिलाड़ियों के बाहर जाने से टीम संघर्ष करने लगी। योगराज सिंह ने कहा कि आम तौर पर सीरीज हारने पर टीम में बड़े बदलाव दिखते हैं। गेम से बड़ा कोई नहीं हो सकता। चाहे विवियन रिचर्ड्स हों डॉन ब्रैडमैन हों या कोई और। उन्होंने कहा कि विदेश दौरे से लौटने के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे दिग्गजों को भी घरेलू क्रिकेट में खेलना चाहिए। इससे युवा खिलाड़ियों को भी आत्मविश्वास मिलता है। योगराज सिंह ने घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य बनाने के नियम पर कहा कि ये उनके क्रिकेटिंग जीवन का सबसे अच्छा फैसला है। मालूम हो कि भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इन्कार कर दिया था जिसके बाद आईसीसी ने हाइब्रिड मॉडल का फॉर्मूला अपनाया था। चैंपियंस ट्रॉफी में आठ टीमें हिस्सा लेंगी जिन्हें चार-चार के दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप चरण में 12 मुकाबले होंगे जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं और दोनों के बीच मैच 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। इसके बाद उसका पाकिस्तान से सामना होगा और फिर दो मार्च को न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। चैंपियस ट्रॉफी का फाइनल नौ मार्च को खेला जाएगा। रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा।

अंडर-19 विश्व कप में भारत ने जीत के साथ शुरू किया अभियान, वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 13.2 ओवर में 10 विकेट पर सिर्फ 44 रन बनाए। जवाब में भारत ने महज 4.2 ओवर में एक विकेट गंवाकर 47 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर मैच चुना गया।ग्रुप ए के इस मुकाबले में भारतीय टीम की गेंदबाजी शानदार रही। परुनिका के अलावा वीजे जोशिता और आयुषी शुक्ला ने दो-दो विकेट हासिल किए। जोशिता ने वेस्टइंडीज की कप्तान समर रामनाथ (3) और एन कंबरबैच (0) को

लिया। इस मैच में भारत के लिए परुनिका सिसोदिया ने तीन विकेट लिए। अंडर-19 महिला विश्व कप के तीसरे संस्करण में भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। रविवार को मलयेशिया के कुआला लुमपुर में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 13.2 ओवर में 10 विकेट पर सिर्फ 44 रन बनाए। जवाब में भारत ने महज 4.2 ओवर में एक विकेट गंवाकर 47 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच में भारत के लिए परुनिका सिसोदिया ने तीन विकेट लिए। उन्होंने 3.00 के इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की और सिर्फ सात रन खर्च किए। इस घातक गेंदबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द पवेलियन भेजा। वहीं, आयुषी ने जाहजरा क्लेक्सटन (0) और क्रिस्टन सदरलैंड (0) को अपना शिकार बनाया। इसके अलावा परुनिका ने बी हरिचरन (0), के कसर (15) और एस रॉस (0) को आउट किया। भारत की घातक गेंदबाजी के खिलाफ वेस्टइंडीज का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। उनके नौ खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।जवाब में भारतीय महिला टीम ने महज 26 गेंदों में लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाजी के लिए उतरीं गोंगदी त्रिशा ने चार, जी कमालिनी ने 16ङ और सनिका चलके ने 18ङ रन बनाए। वहीं, वेस्टइंडीज के लिए जाहजरा ने एक विकेट चटकाया।

वेस्टइंडीज ने 34 साल बाद पाकिस्तान में जीता टेस्ट मैच, दूसरा मुकाबला जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की दूसरी पारी में

बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही और वेस्टइंडीज के स्पिनरों के सामने उनका कोई बल्लेबाज नहीं टिक सका। पाकिस्तान दूसरी पारी में 133 रन पर ऑलआउट हो गया और उसे हार का सामना करना पड़ा। बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकैन के पांच विकेट और केविन सिंक्लेयर के तीन विकेटों की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन 120 रन से हराया। वेस्टइंडीज की यह ऐतिहासिक जीत है क्योंकि उसने 1990 के बाद पहली बार पाकिस्तान की धरती पर कोई टेस्ट मैच जीता है। इसके साथ ही दोनों टीमों के बीच दो मैचों की यह सीरीज 1-1 की बराबरी पर रही। मुल्तान में खेले गए इस मैच में वारिकैन ने अपने करियर में दूसरी बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने अपने स्पैल में 27 रन देकर पांच विकेट झटके और पाकिस्तान के बल्लेबाजों को हावी होने का मौका नहीं दिया। वेस्टइंडीज ने इस तरह 34 साल बाद पाकिस्तान में कोई टेस्ट जीता। उसने आखिरी बार नवंबर 1990 में फैसलाबाद में टेस्ट मैच जीता था।वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 163 रन बनाए थे, जबकि पाकिस्तान की पहली पारी 154 रन पर ढेर हो गई थी। इस तरह वेस्टइंडीज पहली पारी में नौ रन की बढ़त लेने में सफल रहा था। वेस्टइंडीज ने फिर दूसरी पारी में 244 रन बनाए और पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 254 रनों का लक्ष्य रखा।

दिल्ली के खिलाफ रणजी मैच में खेलेंगे जडेजा, पंत-गिल और यशस्वी के बाद लिस्ट में जुड़े

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद खिलाड़ी के फिट होने पर घरेलू क्रिकेट में

खेलना अनिवार्य कर दिया है। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने रविवार को राजकोट में सौराष्ट्र की टीम के अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया और उनका दिल्ली के खिलाफ 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच में खेलना तय है। जडेजा आखिरी बार सौराष्ट्र के लिए जनवरी 2023 में खेले थे।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद खिलाड़ी के फिट होने पर घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जयदेव शाह ने रविवार को बताया, 'जडेजा आज अभ्यास करने के लिए आए हैं। वह अगला मैच खेलेंगे।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रन बनाने के लिए जूझने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने जम्मू कश्मीर के खिलाफ मुंबई की अगली रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की। ऋषभ पंत, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल भी अपनी अपनी टीमों की तरफ से रणजी मैच में खेलेंगे जहां पंत सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली की अंतिम एकादश का हिस्सा होंगे, वहीं विराट कोहली चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। जडेजा को शनिवार को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में चुना गया। उन्होंने पिछले साल बारबाडोस में टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

बांग्लादेश क्रिकेट में हाईवोल्टेज ड्रामा चेक बाउंस मामले में शाकिब के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ढाका की एक अदालत ने रविवार को बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर और राजनेता शाकिब अल हसन के खिलाफ आईएफआईसी बैंक से जुड़े एक चेक बाउंस मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। धोखाधड़ी मामले में आया था। इसके बाद 18 दिसंबर को अदालत ने उन्हें प्रारंभिक सुनवाई के बाद 19 जनवरी को पेश होने का आदेश दिया था।आईएफआईसी बैंक के रिलेशनशिप ऑफिसर शाहिबुर रहमान ने बैंक की ओर से मामला

अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब छात्र आंदोलन के दौरान अपदस्थ होने के बाद से तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से विदेश में रह रहे हैं। इस वारंट में तीन अन्य व्यक्ति के नाम भी शामिल हैं। ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जियादुर रहमान ने रविवार को यह आदेश जारी किया। 15 दिसंबर को शाकिब का नाम चेक दर्ज कराया, जिसमें शाकिब और तीन अन्य पर दो अलग-अलग चेकों के माध्यम से 4,14,57,000 बांग्लादेशी टका ट्रांसफर करने की प्रतिबद्धता का सम्मान करने में विफल रहने का आरोप लगाया था। इस मामले में शाकिब की कंपनी अल हसन एग्रो फार्म लिमिटेड, इसके प्रबंध निदेशक गाजी शहागीर हुसैन और निदेशकों इमदादुल हक और मलाइकर बेगम भी शामिल हैं। शाकिब की कंपनी ने कई बार आईएफआईसी बैंक की बनानी शाखा से धन उधार लिया था। केस स्टेटमेंट के मुताबिक, विचाराधीन चेक ऋण के हिस्से को चुकाने के लिए जारी किए गए थे, लेकिन अपर्याप्त धन के कारण अस्वीकृत हो गए थे। 2023 में शाकिब ने अवामी लीग में शामिल होकर राजनीति में प्रवेश किया था और पार्टी के टिकट पर सात जनवरी, 2024 के निर्विरोध चुनावों में मगुरा-1 निर्वाचन क्षेत्र जीता था। हालांकि, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने कथित तौर पर जनता की नजर में उनके अनुग्रह से पतन की शुरुआत को चिह्नित किया था। शाकिब की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से घर पर अपने टेस्ट क्रिकेट करियर का अंत करने की योजना बाधित हो गई थी क्योंकि उन पर बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के दौरान हत्या के मामले में आरोप लगाया गया था। उन्होंने सुरक्षा चिंताओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा पूछताछ की संभावना का हवाला देते हुए देश लौटने से इनकार कर दिया था। शाकिब के जल्द बांग्लादेश लौटने की संभावना नहीं है क्योंकि उनका परिवार इस समय अमेरिका में रह रहा है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

घरेलू क्रिकेट का क्या फायदा' चुनी गई टीम पर भड़के भज्जी, आकाश-पठान ने बताई भारत की कमजोरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भज्जी ने तो घरेलू क्रिकेट और टूर्नामेंट्स की जरूरत पर सवाल उठाए हैं। वहीं, पठान और आकाश जताया है। चुनी गई इस टीम पर अब पूर्व क्रिकेटरों और राजनेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। हरभजन सिंह से लेकर इरफान पठान खिलाड़ियों के फॉर्म और प्रदर्शन के आधार पर उनका टीम में चयन नहीं करते तो क्या घरेलू क्रिकेट खेलने का कोई मतलब है? क्ष्करुण नायर।'

ने टीम में कमजोर पक्ष को गिनाया है। आइए जानते हैं.. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। चयनकर्ताओं ने 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची टीम में ज्यादा बदलाव नहीं किए हैं। ज्यादातर खिलाड़ी वही हैं। हालांकि, तब के और अभी के समय में काफी अंतर है, लेकिन चयनकर्ताओं ने फिर से अपने पुराने धुरंधरों पर विश्वास और आकाश चोपड़ा ने इस पर रिएक्शन दिया है। भज्जी ने तो घरेलू क्रिकेट और टूर्नामेंट्स की जरूरत पर सवाल उठाए हैं। वहीं, पठान और आकाश ने टीम में कमजोर पक्ष को गिनाया है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने करुण नायर को न चुने जाने को लेकर चयनकर्ताओं पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'जब आप करुण ने शनिवार को खत्म हुए विजय हजारे ट्रॉफी में पांच शतक की मदद से 779 रन बनाए। वह प्रचंड फॉर्म में दिखे और छह बार नॉट आउट रहे। इरफान पठान ने एक्स पर चार पॉइंट्स में भारत की चैंपियंस ट्रॉफी टीम पर अपनी राय रखी। उन्होंने लिखा- पूर्व ओपनर आकाश चोपड़ा ने भी गेंदबाजों पर ही बात की। उन्होंने एक्स पर गेंदबाजी को ही कमजोरी बताया। उन्होंने कहा, 'सिर्फ तीन तेज गेंदबाज चुने गए हैं। इनमें से दो को फिटनेस आधारित समस्याएं हैं। एक वनडे में भारत के नियमित गेंदबाज नहीं हैं। फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत में दुबई में होने वाले टूर्नामेंट के लिए मैं एक स्पिनर ऑलराउंडर की जगह सिराज को चुनता।' युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने भी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए चुनी गई भारतीय टीम पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि टीम का चयन सही तरीके से किया गया है। उन्होंने खास तौर पर पंजाब के दो खिलाड़ियों शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा का नाम लिया। योगराज ने शुभमन को भविष्य का भारतीय कप्तान बताया और अभिषेक को टीम में शामिल करने की वकालत की। संजू सैमसन को भारतीय टीम में नहीं चुने जाने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल क्रिकेट एसोसिएशन (र्खीं) को दोषी ठहराया है। थरूर ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के लिए सैमसन को टीम से बाहर करने के लिए केसीए को दोषी ठहराया और दावा किया कि इसके कारण उन्हें भारतीय टीम से बाहर होना पड़ा।

आधुनिक समाचार

20/01/2025

आधुनिक समाचार

21/01/2025

आधुनिक समाचार

22/01/2025

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तु
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

आधुनिक समाचार

23/01/2025

आधुनिक समाचार

24/01/2025

आधुनिक समाचार

25/01/2025

गणतंत्र दिवस को जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा - डीएम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस मनाये जाने के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस को हर्षोल्लास व सादगी के साथ मनाये जाने का निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि 25 जनवरी को समस्त नगर पालिका, नगर पंचायत व ग्राम पंचायत के अन्तर्गत आने वाली मलिन बस्तियों में विशेष सफाई अभियान चलया जाए। गणतंत्र दिवस की पूर्व

संध्या पर सरकारी भवनों, स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक भवनों एवं मूर्तियों को प्रकाशमान किया जाए। 26 जनवरी को प्रातः 8:30 बजे समस्त शासकीय भवनों पर झण्डारोहण तथा अभिवादन हो और इस अवसर पर राष्ट्रगान के साथ संविधान में उल्लिखित संकल्पों के स्मरण की व्यवस्था की जाए। शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रध्वज प्रातः 10:00 बजे फहराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूलों में निर्धारित समय के अनुसार प्रभात फेरी का आयोजन तथा सभी सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा तथा राष्ट्रगान का आयोजन किया जाएगा। पुलिस लाइन में परेड का आयोजन के साथ ही तहसील, ब्लाक, गांव में भी कार्यक्रमों का आयोजन करें। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को भी याद किया जायें। जिलाधिकारी ने कहा कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह को सफलतापूर्वक गरिमापूर्ण ढंग से मनाया जायेगा। जनपद में साफ-सफाई के साथ ही विद्युत व्यवस्था आदि को भी दुरूस्त रखने के निर्देश दिये गये हैं। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, परियोजना निदेशक डीआरडीए सतीश चन्द्र मिश्रा, जिला विकास अधिकारी अरूण कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

ग्राम प्रधान सरौरा को भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह में नई दिल्ली किया गया आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता रायबरेली एस रहमान ने बताया है

कि भारत सरकार एवं उ0प्र0 सरकार की अति-महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन ठहर घर जलठ योजना के अंतर्गत राज्य के उत्कार वी0डब्लू0एस0सी0/पानी समिति के सदस्यों को विशेष अतिथि के रूप में नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली 26 जनवरी 2025 को गणतन्त्र दिवस समारोह में प्रतिभाग करने हेतु जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनपद रायबरेली के विकास खण्ड-बछरावां की ग्राम पंचायत सरौरा के वी0डब्लू0एस0सी0 अध्यक्ष पूर्णमासी (ग्राम प्रधान सरौरा) को आमंत्रित किया गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक:-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।